दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 160 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत का पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

सुविचार

कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करे तो निर्धन हो जाता है।
– चाणक्य

गृह सचिव ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

जम्मू। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन गुरुवार को जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी पहुंचे और उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, खुफिया ब्यूरो के निदेशक महेश दीक्षित,केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रमुख,जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी,सेना के अधिकारी और खुफिया एवं सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे उपस्थित थे। वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य के अलावा उपस्थित लोगों ने आतंकवाद विरोधी अभियानों, घुसपैठ के प्रयासों, खुफिया समन्वय, जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी और वन क्षेत्रों में सक्रिय विदेशी आतंकवादियों के खात्मे और स्थानीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से रोकने के उपायों पर चर्चा की। यह समीक्षा बैठक हाल ही में हुई आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई थी, जिनमें किश्तवार जिले के दच्छन क्षेत्र में दो विशेष पुलिस अधिकारियों की हत्या और कुलगाम में हुई मुठभेड़ शामिल है, जिसमें लश्कर-ए-तैबा का एक ऑपरेटिव मोहम्मद लतीफ भट मारा गया था।

रोहतक में मिलन ढाबे पर चार युवकों की गोली मारकर हत्या

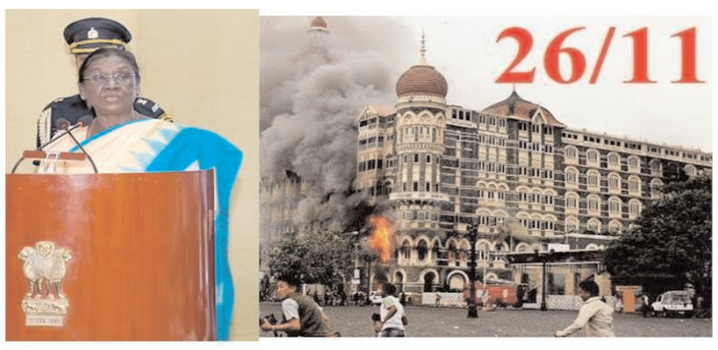
रोहतक। रोहतक के खरावड़ गांव के पास मिलन ढाबे पर देररात चार युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। खरावड़ पुलिस चौकी के पास हुए इस हत्याकांड को गैंगवार का नतीजा बताया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक हामिद अख्तर, पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित ने घटनास्थल का दौराकर हालात का जायजा लिया। सीआईए, स्पेशल सेल और एफएसएल की टीमें जांच कर रही हैं। पुलिस के अनुसार, चारों युवक मिलन ढाबे पर खाना खा रहे थे, तभी उन्हें गोली मार दी गई। मृतकों में तीन युवक झज्जर जिले के गांव डीघल और चौथा युवक बेरी क्षेत्र का रहने वाला है। हत्याकांड को भाऊ और सन्नी रिटोलिया के बीच चल रहे गैंगवार से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले दिनों डीघल में हुई एक युवक की हत्या से भी इस वारदात के तार जुड़े होने की आशंका है। बड़ी संख्या में ग्रामीण रोहतक पीजीआई पहुंचे हैं। पीजीआई परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया है। चारों शव पीजीआई पहुंचाए गए हैं। खरावड़ पुलिस चौकी के नजदीक चार युवकों की हत्या ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रकाशोत्सव पर पाकिस्तान गए तीन भारतीय सिख श्रद्धालु लापता

चंडीगढ़। गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर पाकिस्तान स्थित गुरुधामों की यात्रा पर गए भारतीय जत्थे से तीन सिख श्रद्धालु लापता हो गए हैं। गुरुवार को पाकिस्तान की तरफ से अटारी-बाघा बॉर्डर पर संयुक्त चेक पोस्ट पर स्थित एंबेसी शाखा को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद केंद्रीय विदेश मंत्रालय को इस बारे में सूचित किया गया। पंजाब पुलिस के सीआईडी विंग तथा आईबी की टीमें लापता हुए तीन सिख श्रद्धालुओं के परिजनों तथा आसपास के क्षेत्रों में देर शाम तक पूछताछ करती रही। लापता हुए तीनों युवक पंजाब के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। इस वर्ष गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के लिए पाकिस्तान ने 3091 भारतीय सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किए थे। इनमें से 2340 सीमा पार गए थे। जत्था 22 नवंबर को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान पहुंचा था। इस जत्थे में अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़डज भी शामिल हैं। पाकिस्तानी एजेंसियों के अनुसार 25 नवंबर को श्री ननकाना साहिब से गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब जाते समय जब जत्थे की हाजरी ली गई तो तीन लोग उसमें से गायब मिले। उनके ठिकाने का पता नहीं चल पाया है।

आतंकवाद एकजुट राष्ट्र के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता : राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति व अन्य ने मुंबई आतंकी हमलों की बरसी पर शहीदों को किया नमन



नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने गुरुवार को 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की बरसी पर जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों तथा शहीदों को नमन किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा,हमारे बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों तथा उन सभी लोगों के साहस को सलाम है,जो आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े हुए। उनका बलिदान और निस्वार्थ सेवा हमारे देश की आत्मा में हमेशा के लिए अंकित रहेगी। आतंकवाद भले ही जिंदगियों को तबाह कर दे लेकिन यह साहस, करुणा और दृढ़ता से एकजुट राष्ट्र के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता। आज, हम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं, और आतंकवाद को हर रूप में खत्म करने तथा एक अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय दुनिया की दिशा में काम करने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) की नीति पर अडिग है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आतंकवाद को हराने और शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के संकल्प के साथ पूरा देश एकजुट है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बहादुर सुरक्षाकर्मियों का अदम्य साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण और मातृभूमि के लिए अटूट निष्ठा हमेशा देश की यादों में अंकित रहेगी। यह दिन आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने,राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने तथा शांति एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा करने के अपने संकल्प को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। देश उन सभी बहादुर नायकों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान को हमेशा कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों के साहस,वीरता और अटूट समर्पण को नमन है, जो आतंकवाद के सामने डटकर खड़े रहे। उनका साहस कर्तव्य, बलिदान और राष्ट्र सेवा की सर्वोच्च परंपराओं को दर्शाता है। उनका सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। भारत आतंकवाद को उसके सभी रूपों में खत्म करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध है। आतंकवाद के प्रति मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की पूरी दुनिया में सराहना हो रही है। आज, भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आतंकवाद के हर रूप तथा हर साजिश के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। वहीं विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि केन्द्र सरकार आतंकवाद के हर रूप से लड़ने और इसमें शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महापौर कार्यालय और अमिताभ बच्चन के 'जलसा' को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई आतंकी हमलों की बरसी पर बम धमाकों की धमकी से मचा हड़कंप

मुंबई, (एजेंसी)। आज देश में जहां मुंबई आतंकी हमलों की बरसी मनाई जा रही है वहीं,देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बम धमाकों की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। मुंबई की महापौर रितु तावड़े के कार्यालय, बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास 'जलसा' और शहर के कई मेट्रो स्टेशनों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। धमकी भरे ई-मेल में मेट्रो स्टेशनों पर आईईडी विस्फोट करने और महापौर कार्यालय पर ग्रेनेड हमले की चेतावनी दी गई है। घटना के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, 25 नवंबर (बुधवार) की मध्यरात्रि महापौर कार्यालय और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इसमें दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर महापौर कार्यालय पर ग्रेनेड से हमला करने की धमकी दी गई है। इसके अलावा मुंबई के प्रमुख मेट्रो स्टेशनों और अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'जलसा' को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरे ई-मेल में खालिस्तान और 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' का भी उल्लेख किया गया है। इस धमकी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। गौरतलब है कि इससे पहले गायक एवं अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आज 27 नवंबर को मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले लाइव कॉन्सर्ट को भी इसी तरह की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। सबसे गंभीर बात यह है कि 26 नवंबर को ही मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले की बरसी है। ऐसे संवेदनशील दिन पर धमकी भरा ई-मेल मिलने से प्रशासन ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। एहतियात के तौर पर महापौर कार्यालय,मेट्रो स्टेशनों, अमिताभ बच्चन के आवास 'जलसा' और महालक्ष्मी रेसकोर्स सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

संविधान दिवस हमारी गौरवशाली विरासत और परंपरा का परिचायक : मुख्यमंत्री



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि संविधान दिवस उत्सव 2026 हमारी गौरवशाली विरासत और परंपरा का परिचायक है। समानता और बंधुत्व हमारे संविधान की आत्मा है। संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश का नाम इंडिया नहीं भारत हो, यह तय करने में मध्यप्रदेश की बड़ी भूमिका रही है। मध्यभारत क्षेत्र के प्रतिनिधित्वकर्ता सेठ श्री गोविंद दास और श्री हरि विष्णु कामत ने इंडिया के स्थान पर भारत नाम की वकालत की। मौलिक अधिकारों के निलंबन के खिलाफ भी मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही,डॉ.हरिसिंह गौर ने 1921 में इस बात पर जोर दिया कि भारत के न्यायालयों के सर्वोच्च निर्णय के लिए देश में ही सुप्रीम कोर्ट की स्थापना होनी चाहिए और वर्ष 1928 में पंडित मोतीलाल नेहरू भी इस विचार से सहमत हुए थे। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प. रविशंकर शुक्ल,भगवंत राव मंडलोई आदि ने राज्य और केंद्रों के अंशदान तथा कर बंटवारे का विषय उठाया। वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था लागू कर व्यवस्था को कायम रखा और राज्यों के साथ सरलीकृत व्यवस्था लागू हुई। भारत के राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न में चार शेर की पृष्ठभूमि भी मध्यप्रदेश से जुड़ती है। इसके चित्रांकन में स्व.पंडित दीनानाथ भार्गव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को विधानसभा में पारित किया है, इस विषय को पहली बार राजकुमारी अमृत कौर ने उठाया था। समान नागरिक अधिकारों के लिए विवाह, तलाक, उत्तराधिकार को धार्मिक आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। एक देश, एक विधान और एक प्रधान के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कई राज्य सरकारों ने यूसीसी की ओर कदम बढ़ाए हैं। एक दिन देश की संसद भी यूसीसी को पारित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव संविधान दिवस के अवसर पर मप्र विधानसभा परिसर में आयोजित संविधान दिवस उत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव तथा विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर में स्थित संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका विधायिनी के संविधान दिवस विशेषांक का विमोचन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यक्रम वंदे मातरम् और जन-गण-मन के गान के साथ आरंभ हुआ।

बेकाबू डीसीएम ने दो कारों और बाइक को मारी टक्कर,दो की मौत

अयोध्या। रुदौली कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर डीसीएम की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गुरुवार देर रात करीब दो बजे अवधेश सिंह के ढाबे के पास हुआ। डीसीएम ने पीछे से दो अर्टिगा कारों और एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार शिवओम सिंह (45) निवासी हाजीपुर, थाना रौनाही और अर्टिगा चालक इम्तियाज अली (28) निवासी बस्ती की मौत हो गई। बाइक सवार संजीव सिंह (38) निवासी बनकोट,थाना सुबेहा,बाराबंकी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें दर्शननगर मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। दूसरी अर्टिगा के चालक चंदन निवासी भेड़वा,थाना कलवारी, बस्ती को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस ने मृतकों के स्वजन को सूचना दे दी है। उनकी मौजूदगी में पंचायतनामा भरवाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

संविधान संशोधन से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला : पीएम



संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं का किया जिक्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक लेख लिखा है। उन्होंने लेख में कहा है कि संविधान की शक्ति से सामान्य मानव को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को फर्स्ट एंड फोरमोस्ट अ सोशल डॉक्यूमेंट बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है? पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है। जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। पीएम मोदी ने लेख के जरिए बताया है कि जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है,तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है। जब मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों और रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के ऋण मिलता है,तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना जमीन पर उतरती है। जब डिजिटल टेक्नोलॉजी, रुपे कार्ड और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म तक हर नागरिक की पहुंच होती है,तब समावेशिता का संवैधानिक आदर्श साकार होता है। पहले इसे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित कर दिया गया था। संविधान की शक्ति से सामान्य मानव को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने लेख में लिखा है कि हमारी सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधनों को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है।

संविधान देश की आत्मा है, यह हर नागरिक की गरिमा का कवच : राहुल



संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संविधान दिवस के पावन अवसर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और भारत के संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव है,और अन्याय के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा हथियार है। उनके इन शब्दों ने संविधान के मूल सिद्धांतों और राष्ट्र के लिए उसके महत्व को रेखांकित किया। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश की आत्मा है। ये हर नागरिक की गरिमा का कवच है, हर आवाज की ताकत है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का रक्षक। यही हमारे लोकतंत्र की नींव है और अन्याय के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान दिवस पर संकल्प दोहराता हूं-हम हर हाल में इसकी रक्षा करेंगे,और हर भारतीय के अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे। जय संविधान,जय हिंद! वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बाबासाहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर के एक अहम कथन को उद्धृत किया,जिसमें कहा गया था,राजनीतिक लोकतंत्र तब तक टिक नहीं सकता,जब तक उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो। खड़गे ने अपने संदेश में महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, मौलाना आजाद, डॉ.राजेंद्र प्रसाद,सरोजिनी नायडू और बाबासाहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर समेत उन सभी महान राष्ट्रनायकों को नमन किया,जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी और संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। खड़गे ने आगे लिखा-आज संविधान के मूल आदर्शों, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद की रक्षा करना हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने देशवासियों से अपील की,आइए,हम संविधान और लोकतंत्र की रक्षा तथा देश की एकता,अखंडता और सद्भाव बनाए रखने का पुन: संकल्प लें। जय हिंद। जय संविधान।

बेकाबू डीसीएम ने दो कारों और बाइक को मारी टक्कर,दो की मौत

अयोध्या। रुदौली कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर डीसीएम की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गुरुवार देर रात करीब दो बजे अवधेश सिंह के ढाबे के पास हुआ। डीसीएम ने पीछे से दो अर्टिगा कारों और एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार शिवओम सिंह (45) निवासी हाजीपुर, थाना रौनाही और अर्टिगा चालक इम्तियाज अली (28) निवासी बस्ती की मौत हो गई। बाइक सवार संजीव सिंह (38) निवासी बनकोट,थाना सुबेहा,बाराबंकी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें दर्शननगर मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। दूसरी अर्टिगा के चालक चंदन निवासी भेड़वा,थाना कलवारी, बस्ती को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

संविधान की प्रति लेकर घूमने वाले राहुल गांधी मूल भावना समझें : अमित शाह

'संविधान गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री ने साधा निशाना



नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग हाथ में संविधान लेकर घूमते हैं, उन्हें संसद की लाइब्रेरी में जाकर संविधान की मूल प्रति और उसमें बने चित्रों को देखना चाहिए,ताकि वे उसकी मूल भावना को समझ सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं का उपहास करते हैं और संसद में चर्चा करने के बजाय सड़क पर बहस की बात करते हैं। दिल्ली भाजपा की ओर से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में आयोजित 'संविधान गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि संसद का निर्माण ही चर्चा करने के लिए किया गया है लेकिन राहुल गांधी संसद में चर्चा नहीं चाहते और सड़क पर बहस की बात करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी चुनाव आयोग को बदनाम करने, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने और विदेशों में भारत की छवि खराब करने का काम करते हैं। शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लंबे समय तक विपक्ष में रही लेकिन उसने कभी सड़क पर बहस की मांग नहीं की,अदालतों के बारे में अनर्गल बातें नहीं कीं और न ही चुनाव आयोग का अपमान किया। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह नकारना संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। कांग्रेस नेता पर तंज कसते हुए गृह मंत्री ने कहा,राहुल जी का प्रॉब्लम यह है कि 20 साल से लगातार चुनाव हार रहे हैं। जब से वह आए, एक भी विजय भाग्य में नहीं आई है। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के लिए चुनाव प्रक्रिया को दोष देने के बजाय राहुल गांधी को जनता का विश्वास जीतना चाहिए, देश की समस्याओं को समझना चाहिए और उनके समाधान लेकर लोगों के बीच जाना चाहिए। शाह ने राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भी टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि देश में सूखा और बाढ़ जैसी समस्याएं होने के बावजूद वह हर तीसरे महीने छुट्टियां मनाने विदेश चले जाते हैं। श्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी संविधान की बात करते हैं लेकिन उनकी पार्टी का इतिहास आपातकाल से जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान 18 महीने तक संविधान की मूल भावना को बंद करके रखा और नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित किया। अमित शाह ने कहा कि संविधान केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों की आकांक्षाओं, संघर्ष और बलिदान का दस्तावेज है।

बाबा साहेब ने बुद्धिमत्ता और समर्पण से संविधान को आकार दिया : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन व अन्य ने संविधान दिवस पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई पक्ष-विपक्ष नेताओं ने गुरुवार को संविधान दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा,इस अवसर पर,मैं बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और संविधान सभा के उन विशिष्ट सदस्यों को सादर नमन करता हूं, जिनकी दूरदृष्टि, बुद्धिमत्ता और समर्पण ने हमारे संविधान को आकार दिया और हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव रखी। आइए, हम न्याय, स्वतंत्रता,समानता और बंधुत्व के संवैधानिक आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं, और एक सशक्त,समावेशी तथा समृद्ध भारत के निर्माण के लिए मिलकर प्रयास करें। बिरला ने कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक चेतना,राष्ट्रीय एकता और नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों के लिए एक मजबूत आधार है। संविधान में निहित न्याय,स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व के आदर्श देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा हैं। इन संवैधानिक मूल्यों की गरिमा, पवित्रता और भावना को बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए,संविधान की प्रस्तावना, इसके मूल भाव और मूल्यों को समझें और उन्हें अपने आचरण तथा दैनिक जीवन में अपनाएं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान भारत के लोकतंत्र की आधारशिला है। यह न केवल देश की शासन-व्यवस्था को स्थापित करता है बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को साकार करने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। संविधान सभी को एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है जहां सद्भाव और समावेशिता हो और प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान एवं गरिमा प्राप्त हो। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की मजबूत नींव है,जो प्रत्येक नागरिक को समान अवसर और सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने की शुरुआत करके,संवैधानिक मूल्यों को हर नागरिक तक पहुंचाने का कार्य किया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की आत्मा है। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने देश को एक प्रगतिशील संविधान दिया। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा कि संविधान के निर्माताओं और गणतंत्र के लिए उनकी दूरदृष्टि को नमन करें। उनके आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

संविधान के मूल्यों को जीवन और कार्यशैली में उतारने का लिया संकल्प

सुशासन भवन में अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया उद्देशिका का सामूहिक वाचन, चिकित्सा महाविद्यालय में भी मनाया संविधान दिवस



मंदसौर। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को सुशासन भवन में प्रात: 11 बजे संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों को अपने जीवन और कार्यशैली में अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर प्रीति संघवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने भारतीय संविधान में निहित आदर्शों और नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। इसी क्रम में सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंदसौर में भी संविधान दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों, चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर संकाय सदस्य डॉ. मिलिंद निसर्गंध ने संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन करवाया तथा उपस्थितजनों को संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में डॉ. कार्तिक साल्वे एवं डॉ. सुनील कांत गुलेरी ने संविधान दिवस के ऐतिहासिक एवं व्यावहारिक महत्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ मौलिक कर्तव्यों का भी बोध कराता है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों के लिए समानता, मानवता और निस्वार्थ सेवा भाव जैसे संवैधानिक आदर्शों को अपने कार्यक्षेत्र में अपनाना आवश्यक है। यही संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान है। इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुबई में आरव का शानदार प्रदर्शन, पांच पदक जीतकर बढ़ाया देश का गौरव



मंदसौर। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर मंदसौर के 11 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी आरव बापना ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुबई में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में पांच पदक जीतकर जिले और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। आरव ने प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो स्वर्ण और तीन रजत पदक हासिल किए। गुरुवार को आरव ने अपने पिता निलेश बापना के साथ कलेक्टर दिव्यांक सिंह से मुलाकात की। कलेक्टर ने आरव की उपलब्धि की सराहना करते हुए उसे बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि 10 से 17 नवंबर तक दुबई में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में आरव ने बायथल, ट्रायथल और लेजर रन स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में उसने ट्रायथल और लेजर रन में रजत पदक जीते। वहीं टीम स्पर्धाओं में ट्रायथल और लेजर रन में स्वर्ण पदक तथा बायथल में रजत पदक हासिल किया। इस तरह आरव ने कुल पांच पदक अपने नाम किए। आरव इससे पहले वर्ष 2025 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है। उल्लेखनीय है कि बायथल स्पर्धा में तैराकी और दौड़ तथा ट्रायथल में तैराकी, दौड़ और शूटिंग शामिल होती है। इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आरव की यह उपलब्धि उसकी खेल प्रतिभा, मेहनत और लगन को दर्शाती है।

धर्मशालाएं समाज की प्रगति और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक : विधायक श्री पाटीदार



खरगोन। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बिलाली में विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने गुरुवार को यादव धर्मशाला का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। दोपहर में ग्राम पहुंचे विधायक का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्राम पहुंचने पर विधायक ने अपनी कार छोड़ बैलगाड़ी सवारी की। खुद बैलों को हांकते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान रास्तेभर ग्रामीणों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाने के साथ ही पुष्पवर्षाकर स्वागत किया। ढ़ोल-तांशों के साथ रैली के रुप में आयोजन स्थल तक ले जाया गया। विधायक ने समाजजनों की उपस्थिति में धर्मशाला को विधिवत रूप से समाजजनों को समर्पित किया। इसी दौरान विधायक श्री पाटीदार ने राम मंदिर टीनशेड के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर उसकी आधारशिला भी रखी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जिन्होंने इस महत्त्वपूर्ण पहल का स्वागत किया। विधायक श्री पाटीदार ने कहा कि धर्मशालाएं किसी भी समाज की प्रगति और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक होती हैं। उन्होंने बताया कि यह नव.निर्मित धर्मशाला न केवल समाज के लोगों को एक स्थान पर एकत्र होने का अवसर प्रदान करेगी, बल्कि विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी एक उपयोगी मंच साबित होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे सामुदायिक भवन ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति को दर्शाते हैं और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। राम मंदिर टीनशेड के भूमि पूजन के अवसर पर पाटीदार ने कहा कि यह कार्य धार्मिक आस्था का प्रतीक है और इसके निर्माण से श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से क्षेत्र के विकास कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इनका लाभ लेने की अपील भी की।.

स्व. आकाश चौहान की प्रथम पुण्यतिथि पर मंदसौर और शामगढ़ में हुए रक्तदान शिविर, करीब 50 लोगों ने किया रक्तदान; एसपी विनोद कुमार मीना भी पहुंचे



मंदसौर। वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय आकाश चौहान की प्रथम पुण्यतिथि पर गुरुवार को मंदसौर जिला चिकित्सालय और शामगढ़ में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। उनकी स्मृति को जनसेवा से जोड़ते हुए पत्रकारों, पुलिस अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने रक्तदान कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों स्थानों पर आयोजित शिविरों में करीब 50 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। मंदसौर जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में प्रभारी सौरभ मंडवारिया की उपस्थिति में शिविर आयोजित हुआ। इसमें पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना भी पहुंचे। उन्होंने रक्तदान करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन किया। पत्रकारों के साथ पुलिस अधिकारियों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े युवाओं ने भी रक्तदान कर स्व. आकाश चौहान की स्मृति को मानव सेवा के कार्य से जोड़ा। पत्रकारों, पुलिस अधिकारियों और सामाजिकजनों ने किया रक्तदान शिविर में आलोक शर्मा, अजय बाड़ोलिया, अशोक परमार, विवेक शर्मा, नीलेश त्रिवेदी, सलमान कुरैशी, किशोर ग्वाला, गोपाल तोशनीवाल, विशाल सोनी, सईम पठान, ललित शंकर धाकड़, सुमित पंवार, जगदीश वसुनिया, देवेंद्र मौर्य, लोकेश पालीवाल, कमलेश सोनी (लाला), निव्या शर्मा, नितिन सोनी, दीपक, यशवंत सिंह और भावेश जोशी सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। पुलिस विभाग की ओर से पुष्पेंद्र सिंह राठौर, शिवांशु मालवीय, कुलदीप सिंह राठौर, विक्रम सिंह इवने और हरीश मालवीय ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर पत्रकार महावीर जैन, विकास तिवारी, पुष्पराज सिंह राणा, नरेंद्र अग्रवाल, बृजेश जोशी, राहुल सोनी, शाहिद चौधरी, दीपक शर्मा, प्रदीप कारपेंटर, सचिन जैन, विपिन चौहान, शैलेंद्र सिंह राठौर, हुसैन, शादाब चौधरी, राकेश भाटी, ललित परमार, अरबाज खान, अजीजुल्लाह खान, संजय भाटी, राहुल पोरवाल, गोपाल मालेचा और संदीप विजयवर्गीय सहित मीडिया परिवार के सदस्य मौजूद रहे। सामाजिक क्षेत्र से कमलेश लाल सोनी (लाला), गौरव अग्रवाल, अनिल कियावत और विनय दुबेला सहित अन्य गणमान्यजन भी शामिल हुए। स्व. आकाश चौहान की स्मृति में शामगढ़ में भी रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यहां जाकिर अब्बासी, प्रवीण चौहान, विजय जोशी, प्रशांत यादव, होकमसिंह, राहुल धनगर, ओम संघवी, किरण परिहार, मुकेश टांक, संजय दुआ, हरीश सांकला और विजय रेतुड़िया सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया।

तंबाकू निषेध अभियान एवं बाल सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं बाल सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर के दंत चिकित्सक डॉ. मनोज भूमरकर एवं एएफएचसी परामर्शदाता श्री कुलदीप पटवा द्वारा विद्यार्थियों को तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा बुलिंग के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों की जानकारी देते हुए तंबाकू से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की गई। इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तंबाकू का सेवन नहीं करने तथा दूसरों को भी इसके सेवन से रोकने की शपथ दिलाई गई। बाल सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत किशोर-किशोरियों को शारीरिक, मौखिक, पूर्वाग्रह एवं साइबर बुलिंग के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच एवं बैड टच, बुलिंग के दुष्परिणामों तथा मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के संबंध में बताया गया। बुलिंग की स्थिति में सहायता प्राप्त करने हेतु एएफएचसी परामर्शदाता, स्कूल प्राचार्य, बाल कल्याण समिति एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

बाल विवाह और लैंगिक हिंसा के खिलाफ मंदसौर पुलिस ने शुरू किया 16 दिवसीय अभियान



मंदसौर। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन और महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध लैंगिक हिंसा की रोकथाम के लिए मंदसौर पुलिस ने 16 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2026 तक चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर जिला पुलिस कंट्रोल रूम में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जनसाहस एवं उड़ान संस्था के समन्वय से हुआ। अभियान के तहत जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में बाल विवाह रोकने, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा उनके सम्मान और अधिकारों के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को अभियान के तहत आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शुभारंभ अवसर पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें अभियान के उद्देश्यों, बाल विवाह के दुष्परिणामों, इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों और लैंगिक हिंसा की रोकथाम के उपायों पर जानकारी दी गई। साथ ही आगामी दिनों में आयोजित होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा भी साझा की गई। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, ग्राम एवं नगर रक्षा समितियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से आमजन को जागरूक किया जाएगा। ग्राम पंचायतों और सामुदायिक बैठकों में बाल विवाह के विरुद्ध सामूहिक संकल्प एवं शपथ कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी विशेष जोर रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों को बाल विवाह एवं लैंगिक हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल, नगर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र भास्कर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर ग्रामीण गिरीश जैजुरकर, बाल कल्याण विभाग के अध्यक्ष यशोधर्मन गुप्ता, जिला शिक्षा विभाग के योजना अधिकारी दिलीप मुजावदिया, किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य दीपिका बैरागी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलंटियर, वन स्टॉप सेंटर से निर्मला चौहान, श्रम विभाग के अधिकारी, जनसाहस संस्था से कुलदीप घावरी एवं सिमरन, उड़ान संस्था से संगीता कुंभकार एवं कांचन वानखेड़े तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के बाल संरक्षण अधिकारी पंकज भिलाला सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेलकर्मी के खाते से 10 लाख रुपये पार, दो बार में निकाली गई 5-5 लाख की रकम

सीहोर। घमापुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां 73 वर्षीय सेवानिवृत्त रेलकर्मी चंद्र सिंह राजपूत के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने दो बार में कुल 10 लाख रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित को मोबाइल पर रकम कटने के मैसेज मिलने के बाद धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस के अनुसार, दुर्गा मंदिर के पास कांचघर निवासी चंद्र सिंह राजपूत ने 19 नवंबर की रात घमापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनका बैंक ऑफ इंडिया की सिविल लाइंस शाखा में खाता है। 18 नवंबर की शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इसके बाद शाम 4 से 6 बजे के बीच अज्ञात मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप संदेश भी प्राप्त हुआ। इसी रात करीब 9 बजे के बाद उनके मोबाइल पर क्रमश: 5-5 लाख रुपये की दो रकम खाते से कटने के संदेश आए। संदेह होने पर उन्होंने बैंक पहुंचकर खाते का स्टेटमेंट निकलवाया, जिसमें दोनों ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 10 लाख रुपये निकाले जाने की पुष्टि हुई।

अपराधिक गतिविधियों पर प्रशासन का शिकंजा, दो आरोपी जिला बदर

मंदसौर। जिले में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए दो आरोपियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। वहीं, एक अन्य आरोपी को आगामी तीन माह तक नियमित रूप से पुलिस थाने में उपस्थिति देने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दिव्यांक सिंह ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदित्य उर्फ भय्यु पिता वीरेंद्र सिंह निवासी स्टेशन रोड मल्हारगढ़ को तीन माह तथा वकील पिता बंशीलाल बंजारा निवासी जग्गाखेड़ी, थाना वायडी नगर मंदसौर को एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर किया है। जारी आदेश के अनुसार, जिला बदर की अवधि में दोनों आरोपी मंदसौर जिले के साथ ही समीपवर्ती नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा और शाजापुर जिलों की राजस्व सीमाओं में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। एक अन्य आदेश में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने राकेश पिता कंवरलाल बागरी निवासी बोरखेड़ी, थाना मल्हारगढ़ के विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत कार्रवाई करते हुए उसे आगामी तीन माह तक प्रत्येक माह की 1 और 16 तारीख को पुलिस थाना मल्हारगढ़ में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी भी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त नहीं है और भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों से दूर रहेगा।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी कांग्रेस ने उठाए सवाल

बार-बार आपत्ति के बाद भी क्यों नहीं हटाए जा रहे हैं मृत, बाहर शिफ्ट हो चुके मतदाताओं के नाम-रवि नाईक



खरगोन-एक तरफ निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम जोड़ने घटाने की प्रक्रिया चला रहा है दूसरी तरफ मृत, बाहर शिफ्ट हो चुके मतदाताओं के नाम नही काटे जा रहे है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक ने तथ्यों के साथ आरोप लगाया लगाया कि खरगोन शहर के बूथ क्रमांक 149 ज्योति नगर में करीब 50 से अधिक ऐसे मतदाताओं के नाम दर्ज है। इसी प्रकार भगवानपुरा विधानसभा क्षेत्र के सिरवेल में बूथ क्रमांक 311 पर भी 12 ऐसे मतदाताओं नाम दर्ज है जो लंबे समय से बाहर शिफ्ट हो चुके है। मृत हो चुके हैं या उस बूथ से शहर के किसी अन्य वार्डों में जाकर बस गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर बार कांग्रेस के बीएलए 2 द्वारा ऐसे मतदाताओं के नाम पर आपत्ति दर्ज कराते हैं इसके बावजूद वोटर लिस्ट से ऐसे मतदाताओं के नाम नही हटाए जा रहे हैं। बल्कि आज भी वे मतदाता सूची में यथावत बने हुए हैं। उन्होंने इस बाबद जिला निर्वाचन अधिकारी खरगोन को शिकायती पत्र लिखकर पूछा है कि बार-बार कांग्रेस के द्वारा आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद भी ऐसे नाम मतदाता सूची से क्यों नही हटाए गये ? ऐसे नामो को वोटर लिस्ट में बनाए रखने के पीछे निर्वाचन आयोग की क्या मंशा है ? क्या निर्वाचन आयोग सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिये ऐसा कर रहा है? रवि नाईक ने आगे कहा कि यही वोट चोरी है । ऐसे मृत हो चुके, बाहर शिफ्ट हो चुके, शहर में कहीं अन्यत्र बस चुके मतदाताओं के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट में रखे जाते हैं ताकि चुनाव के समय फर्जी वोटिंग कराई जा सके। उन्होंने जिला निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में स्पष्ट कहा कि ऐसा जिले भर में निर्वाचन आयोग का काम ऐसे ही चल रहा है।यदि इस पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी ऐसे तमाम मामलों को लेकर सड़क पर आंदोलन करेगी।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026

दिल्ली खजूरी खास इलाके में हत्या का फरार आरोपी मुठभेड़ में घायल

नई दिल्ली। दिल्ली खजूरी खास इलाके में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास दिनदहाड़े एक व्यक्ति की हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में छह गोलियां चलाईं, जिनमें से एक आरोपी के पैर में लगी। आरोपी की पहचान अमान गाजी उर्फ नासिर कमाल उर्फ अमान उर्फ पहलवान (26) के रूप में हुई है।

महिलाओं की गरिमा और सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: प्रीति शेखर

पटना। बिहार की महिलाओं के विरुद्ध कथित रूप से अभद्र, अपमानजनक एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में यूट्यूबर एवं कॉमेडियन यश महेश्वरी के खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। भाजपा की प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर के नेतृत्व में भाजपा महिला नेताओं द्वारा इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। महिला नेताओं ने संबंधित यूट्यूबर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को आवेदन सौंपा था।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के सामने सहयोगियों को सीटें देने की चुनौती

निषाद पार्टी,अपना दल और रालोद मांग रहे चुनाव में अधिक सीटें



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन और सीटों के बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। जहां विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीटों को लेकर बातचीत चल रही है, वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सामने भी सहयोगी दलों को संतुष्ट करने की चुनौती खड़ी हो गई है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा), अपना दल (एस) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने आगामी चुनाव में अधिक सीटों पर दावा पेश किया है। सहयोगियों की बढ़ती मांग ने भाजपा नेतृत्व के सामने सीटों के बंटवारे का कठिन समीकरण खड़ा कर दिया है। पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपना राजनीतिक प्रभाव रखने वाले इन क्षेत्रीय दलों के नेता भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से सीटों के बंटवारे पर ठोस बातचीत करना चाहते हैं। इस सिलसिले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की कोशिशें चल रही हैं। हाल ही में भाजपा की प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में भी सहयोगी दलों के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा हुई। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने हाल में अमित शाह से मुलाकात की है। वहीं, सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर, अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी भी सीटों के बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ाना चाहते हैं।वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक समीकरण अलग था। उस समय जयंत चौधरी की रालोद और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। रालोद को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 33 सीटें मिली थीं, जिनमें से उसने आठ पर जीत दर्ज की थी। वहीं, सुभासपा ने 19 सीटों पर चुनाव लड़कर छह सीटें जीती थीं। दूसरी ओर, भाजपा के साथ गठबंधन में रही अपना दल (एस) ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 पर जीत हासिल की थी। निषाद पार्टी ने 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से छह विजयी रहे थे। इनमें से कुछ उम्मीदवार भाजपा के चुनाव चिह्न पर भी मैदान में उतरे थे। उस चुनाव में भाजपा ने 376 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 255 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सहयोगियों के लिए कुल 27 सीटें छोड़ी गई थीं। अब आगामी चुनाव में गठबंधन का विस्तार होने और क्षेत्रीय दलों की बढ़ती मांग के कारण सीटों का गणित बदलता दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा इस बार अपने सहयोगियों के लिए लगभग 60 सीटें छोड़ने पर विचार कर रही है। हालांकि, सहयोगी दल इससे अधिक सीटों की मांग कर रहे हैं। अलग-अलग रिपोर्टों में उनकी मांगों के आंकड़ों में भी अंतर सामने आया है। एक आकलन के अनुसार,अपना दल (एस) 25 से 52, रालोद 30 से अधिक,सुभासपा 25 से 42 और निषाद पार्टी 30 से 36 सीटों तक की मांग कर रही है। ऐसे में भाजपा के लिए सभी सहयोगियों के बीच सहमति बनाना आसान नहीं होगा।

वाराणसी में शनिवार 28 नवंबर से शुरू होगा काशी तमिल संगमम 5.0

तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुरानी सांस्कृति की दिखेगी झलक



वाराणसी। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के काशी के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यतागत संबंधों को नई मजबूती देने वाला काशी तमिल संगमम का पांचवां संस्करण 28 नवंबर से वाराणसी में शुरू होगा। 12 दिसंबर तक चलने वाले इस आयोजन की थीम 'तिरुक्कुरल पाईलवोम-तिरुक्कुरल का अभ्यास करें' रखी गई है। इसके माध्यम से युवा पीढ़ी और देशभर के विद्यार्थियों को तमिल के महान शास्त्रीय ग्रंथ तिरुक्कुरल की नैतिक शिक्षाओं और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में तमिलनाडु से करीब 1,400 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। ये प्रतिनिधि वाराणसी के साथ प्रयागराज और अयोध्या का भी भ्रमण करेंगे। इस दौरान शैक्षणिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठियां, संवाद और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उत्तर और दक्षिण भारत के बीच आपसी समझ तथा सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ किया जाएगा। काशी तमिल संगमम 5.0 के तहत देश के 1,000 उच्च शिक्षण संस्थानों को जोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर छात्र सहभागिता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक विषयों और भाषायी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के बीच तिरुक्कुरल की व्यापक समझ विकसित करना है। इसके तहत संरचित अध्ययन, शोध और परिसर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक भागीदार संस्थान तिरुक्कुरल में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन कर मेरिट के आधार पर एक छात्र का चयन करेगा। चयनित विद्यार्थियों को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं और अंग्रेजी में ऑनलाइन शैक्षणिक अभिमुखीकरण दिया जाएगा। इसके बाद एक महीने तक शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियां संचालित होंगी। इसके लिए केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) की ओर से बहुभाषी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम की निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले प्रत्येक पात्र चयनित विद्यार्थी को 10 हजार रुपये की छात्रवृत्ति (स्टाइपेंड) भी दी जाएगी। विद्यार्थियों को संकाय मार्गदर्शक की देखरेख में चार से दस पृष्ठों का शोध लेख या शोध नोट तैयार करना होगा। साथ ही अपने संस्थान में तिरुक्कुरल विषय पर एक घंटे की प्रस्तुति भी देनी होगी। काशी तमिल संगमम के दौरान तमिलनाडु के 50 शिक्षक उत्तर प्रदेश आएंगे। ये शिक्षक राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को तिरुक्कुरल की शिक्षाओं से परिचित कराएंगे। इसके अलावा तमिलनाडु के विशेषज्ञ वाराणसी के शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कक्षाएं और संवाद सत्र आयोजित करेंगे। विद्यार्थियों को ओरिएंटेशन मॉड्यूल, संवादात्मक सत्रों और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तिरुक्कुरल के नैतिक, सामाजिक और जीवनोपयोगी मूल्यों की जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य इस प्राचीन तमिल ग्रंथ की शिक्षाओं को युवाओं के दैनिक जीवन से जोड़ना है।

टोल बचाने के लिए नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वालों की खैर नहीं

ऐसा करने वालों को देना होगा 8 गुना तक जुर्माना,चालान भी कटेगा



नई दिल्ली। नेशनल हाईवे पर बिना रुके सफर की सुविधा देने वाले बैरियर-लेस टोल प्लाजा पर टैक्स चोरी करने के लिए वाहन की नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वाले चालकों के खिलाफ केंद्र सरकार अब बेहद सख्त रुख अपनाने जा रही है। टोल बचाने के चक्कर में नंबर प्लेट मोड़ने या उस पर टेप व कागज चिपकाकर अंक छिपाने की चालाकी अब वाहन मालिकों की जेब पर बेहद भारी पड़ेगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय एक ऐसा कड़ा नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत पकड़े जाने पर सामान्य टोल शुल्क का 4 से 8 गुना तक भारी-भरकम जुर्माना वसूला जाएगा। इसके लिए मंत्रालय की ओर से नेशनल हाईवे फीस रूल्स में जरूरी संशोधन करने का प्रस्ताव तेजी से तैयार किया जा रहा है। सरकार की इस नई प्रस्तावित व्यवस्था की सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारी टोल जुर्माना मोटर व्हीकल एक्ट के तहत लगने वाले सामान्य चालान से बिल्कुल अलग होगा। मौजूदा नियमों के अनुसार,मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने पर पहली बार पकड़े जाने पर 5000 रुपये और दोबारा गलती दोहराने पर 10000 रुपये तक के चालान का प्रावधान पहले से लागू है, जिसकी वसूली राज्य परिवहन विभाग करता है। लेकिन नया नियम लागू होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी एजेंसियों को यह सीधा अधिकार मिल जाएगा कि वे नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों से 4 से 8 गुना तक बढ़ा हुआ टोल शुल्क वसूल सकें। यानी नियम तोड़ने वालों को अब दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ेगी। टोल चोरी करने वालों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए सरकार अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लेने जा रही है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, अगले दो महीनों के भीतर देश के प्रमुख टोल प्लाजा पर एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम लागू कर दिया जाएगा, जो हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी-द्ध की मदद से चालाकी करने वाले वाहनों की तुरंत पहचान कर लेगा। यह सिस्टम पलक झपकते ही उन गाड़ियों को ट्रैक कर लेगा जिनकी नंबर प्लेट के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ की गई है या फिर कैमरे से बचने के लिए उसके अंकों को छिपाया गया है।

हर भारतीय के मन में सवाल मुंबई को निशाना क्यों बनाया गया : निकम

26/11 की बरसी पर सांसद निकम ने साजिशकर्ताओं को कटघरे में लाने का मुद्दा उठाया



नई दिल्ली। 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई आतंकी हमले की 18वीं बरसी पर राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील उज्जवल निकम ने एक बार फिर हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इतने साल बीत जाने के बाद भी देश उस भयावह दिन को नहीं भूला पाया है। निकम ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमले की साजिश रचने वालों तक भारत कब पहुंचेगा और 166 पीड़ितों को पूरा न्याय कब मिलेगा। निकम ने राष्ट्र के साझा दर्द और संकल्प को व्यक्त करते हुए कहा कि हर भारतीय के मन में आज भी यह सवाल उठता है कि वे 10 आतंकवादी कौन थे, उन्होंने मुंबई को ही निशाना क्यों बनाया और उनका असली मकसद क्या था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने दोहराया कि भारत ने आतंकवाद को ऐसा जवाब देने का संकल्प लिया था,जिससे भविष्य में कोई भी देश पर हमला करने की हिम्मत न कर सके। निकम ने कसाब को फांसी दिए जाने पर संतोष व्यक्त किया, क्योंकि वह इस मामले में विशेष लोक अभियोजक रहे थे, लेकिन साथ ही जोर दिया कि हमले की साजिश रचने वालों तक पहुंचना और सभी 166 पीड़ितों को न्याय दिलाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। निकम के मुताबिक बीएनएसएस के प्रावधानों के तहत भगोड़े आतंकियों के खिलाफ अदालत में याचिकाएं दाखिल की गई हैं। इसके साथ ही,मुंबई हमले के दौरान आतंकियों को निर्देश देने वाले पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने की तैयारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस दिशा में जल्द ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे और स्पष्ट किया कि हमले के पीछे साजिश रचने वालों और आतंकियों को निर्देश देने वालों को न्याय के दायरे में लाने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने मुंबई में एक साथ कई जगहों पर हमला किया था। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस,ताज होटल, ओबेरॉय-ट्राइडेंट होटल, लियोपोल्ड कैफे और नरीमन हाउस जैसे प्रमुख स्थानों को निशाना बनाया गया, जिससे पूरे देश में दहशत फैल गई।

भारत मंडपम में आज होगी आईओआरए मंत्रिपरिषद की बैठक



विशेष मंत्री एस जयशंकर करेंगे मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग संगठन (आईओआरए) की 25वीं मंत्रिपरिषद की बैठक कल शुक्रवार 27 नवंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक से पहले 25 एवं 26 नवंबर को आईओआरए के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति (सीएसओ) की 29वीं बैठक आयोजित की जा चुकी है। इसमें संगठन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने और सदस्य देशों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मालदीव की विदेश मंत्री इरुथिशम आदम बैठक में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंच चुकी हैं। इसके अलावा मलेशिया, सोमालिया,सिंगापुर, मॉरीशस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के भी बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मलेशिया के उप महासचिव दातो डॉ.अहमद फैसल मुहम्मद 25 नवंबर की रात दिल्ली पहुंचें। सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग राज्यमंत्री अली मोहम्मद उमर, सिंगापुर के विदेश एवं राष्ट्रीय विकास राज्यमंत्री डेरिल यामिन और मॉरीशस के विदेश मामलों, क्षेत्रीय एकीकरण एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री धनंजय रामफुल आज 26 नवंबर को पहुंचें हैं। इसी दिन सेशेल्स के विदेश एवं प्रवासी मामलों के मंत्री बैरी फौरे, संयुक्त अरब अमीरात के मंत्री अनवर अनलान, श्रीलंका के विदेश, विदेशी रोजगार एवं पर्यटन मंत्री एचएम विजिता हेराथ, ऑस्ट्रेलिया के हिंद महासागर मामलों के विशेष दूत टिम वाट्स और इंडोनेशिया के उप विदेश मंत्री अरिफ हवास ओएग्रोसेनो के भी नई दिल्ली पहुंचने का कार्यक्रम है। आईओआरए मंत्रिपरिषद संगठन का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। इसमें सदस्य देशों के विदेश मंत्री शामिल होते हैं। यह संगठन की नीतिगत दिशा और रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने के साथ सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग की समीक्षा करता है। बैठक में हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, व्यापार, संपर्क, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा क्षेत्र के साझा हितों और चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी विचार किया जाएगा।

काशी के अस्सीघाट पर 29 नवंबर को सजेगी कथक की महफिल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में कथक की समृद्ध परंपरा को समर्पित नटराज संगीत अकादमी का 31वां कथक महोत्सव आगामी 29 नवंबर (रविवार) को अस्सीघाट पर आयोजित होगा। सुबहे बनारस के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ शाम चार बजे होगा। इस वर्ष महोत्सव विरासत-पंडित बिरजू महाराज परंपरा को समर्पित रहेगा। अकादमी की निदेशक संगीता सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि नटराज संगीत अकादमी पिछले 30 वर्षों से निरंतर कथक महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस मंच के माध्यम से अकादमी की छात्राओं के साथ ही देश के उभरते और प्रतिष्ठित कथक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि महोत्सव का आयोजन लगातार 22 वर्षों तक वाराणसी के डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर हुआ। इसके बाद पिछले दो वर्षों से अस्सीघाट पर इसका आयोजन किया जा रहा है। संगीता सिन्हा ने कहा कि उनके गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज इस महोत्सव में नियमित रूप से उपस्थित रहते थे। उनकी स्मृतियों और कथक की विशिष्ट परंपरा को आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

भारत को क्या आपत्ति!

फ्रेंच कंपनियों ने कहा है कि वे भारत में राफेल विमान के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। राफेल लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन और इंजन निर्माता कंपनी सफ्रान ने साफ किया है कि वे भारत में विमान और उसके इंजन के बड़े हिस्से का उत्पादन करने पर सहमत हुई हैं, लेकिन विमान के मूल डिजाइन, महत्त्वपूर्ण तकनीक और इंजन के संवेदनशील पुर्जों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगी। फ्रांस में इस संबंध में उठे सवालों पर इन कंपनियों ने यह स्पष्टीकरण दिया। इस क्रम में यह मुद्दा फिर उठा है कि फ्रांस किस हद तक भारत को तकनीक ट्रांसफर के लिए राजी हुआ है? पहले दोनों देशों की सरकारों की तरफ से कहा गया था कि दसॉ भारत को टेक्नोलॉजी भी देगी। लेकिन अब इसका मतलब बताया गया है यह प्रक्रिया सिर्फ विमान के पुर्जे बनाने, ढांचा तैयार करने, इंजन असेंबल करने और रखरखाव तक सीमित होगी। ये कंपनियां अपनी गोपनीय और संवेदनशील तकनीकों- मसलन, सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड, रडार का एल्गोरिदम, और इंजन के सबसे अहम अंदरूनी हिस्सों से जुड़ी तकनीक भारत को नहीं देंगी। यानी कंपनियों ने एक 'लक्ष्मण रेखा' तय कर दी है। अब यह भारत सरकार पर है कि इस बारे में अपना रुख बताए। उसे देशवासियों को बताना चाहिए 114 विमानों की खरीद का करार होते वक्त क्या सहमति बनी थी? वैसे संभव है कि फ्रेंच कंपनियों की तरफ दी गई सफाई भारत सरकार के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं हो। इसलिए कि पिछले हफ्ते ही विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में विदेशी निवेशकों को संबोधित करते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि हम आपसे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की मांग नहीं करते, और ना ही तकनीक चुराते हैं। इसके पहले वे नीदरलैंड्स में संदेश दे चुके थे कि भारत में कर्मचारियों के काम के घंटे या दिन तय नहीं होते! यानी विदेशी निवेशकों को उनकी शर्तों पर लुभाना फिलहाल भारत सरकार की प्राथमिकता है। निवेश के डॉलर से व्यापार घाटे की भरपाई और कुछ नौकरियां पैदा होने के लक्ष्य से वह संतुष्ट है। लेकिन दीर्घकालिक एवं आत्म-निर्भर विकास के नजरिए से यह भारतवासियों की प्राथमिकता नहीं हो सकती। इसलिए फ्रेंच कंपनियों का स्पष्टीकरण उनकी नजर में बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

चीनी सामान पर लगे प्रतिबंध, स्वदेशी उद्योगों को मिले बढ़ावा

अजय दीक्षित

समय की मांग है कि भारत सरकार चीनी सामान के आयात पर कठोर और प्रभावी नीति बनाए। जिन वस्तुओं का निर्माण भारत में पर्याप्त मात्रा में हो सकता है, उनके आयात को चरणबद्ध तरीके से सीमित किया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और घरेलू उद्योगों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक प्रतिबंध भी लगाए जाएं। भारत में छोटे-छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, लघु व्यापारी और स्थानीय कारीगर रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दीपावली की सजावट, बिजली की झालरें, खिलौने, प्लास्टिक का सामान और अनेक घरेलू वस्तुएं यदि भारतीय उद्योगों में तैयार हों, तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। लेकिन सस्ते आयातित सामान की प्रतिस्पर्धा में कई छोटे निर्माता और दुकानदार कठिनाइयों का सामना करते हैं। यह केवल व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती और रोजगार से जुड़ा विषय है।जब हम देश में निर्मित वस्तुएं खरीदते हैं, तो उसका लाभ भारतीय उत्पादकों, श्रमिकों, दुकानदारों, परिवहन व्यवसायियों और छोटे उद्यमियों तक पहुंचता है।



भारत एक विशाल बाजार है। यहां करोड़ों उपभोक्ता हैं और देश में उत्पादन, व्यापार तथा रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद भारतीय बाजारों में विदेशी वस्तुओं, विशेषकर चीन में निर्मित सामान की बड़ी उपस्थिति दिखाई देती है। खिलौनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, सजावटी वस्तुओं, घरेलू उपयोग के सामान और त्योहारों में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं तक चीनी उत्पादों ने भारतीय बाजार में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि जब इन वस्तुओं का उत्पादन भारत में संभव है, तो हम अपने ही देश के उद्योगों और कारीगरों को पर्याप्त अवसर क्यों नहीं दे पा रहे हैं? समय की मांग है कि भारत सरकार चीनी सामान के आयात पर कठोर और प्रभावी नीति बनाए। जिन वस्तुओं का निर्माण भारत में पर्याप्त मात्रा में हो सकता है, उनके आयात को चरणबद्ध तरीके से सीमित किया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हितों और घरेलू उद्योगों को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक प्रतिबंध भी लगाए जाएं। भारत में छोटे-छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, लघु व्यापारी और स्थानीय कारीगर रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दीपावली की सजावट, बिजली की झालरें, खिलौने, प्लास्टिक का सामान और अनेक घरेलू वस्तुएं यदि भारतीय उद्योगों में तैयार हों, तो लाखों लोगों को रोजगार मिल सकता है। लेकिन सस्ते आयातित सामान की प्रतिस्पर्धा में कई छोटे निर्माता और दुकानदार कठिनाइयों का सामना करते हैं। यह केवल व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती और रोजगार से जुड़ा विषय है।जब हम देश में निर्मित वस्तुएं खरीदते हैं, तो उसका लाभ भारतीय उत्पादकों, श्रमिकों, दुकानदारों, परिवहन व्यवसायियों और छोटे उद्यमियों तक पहुंचता है। इससे देश के भीतर आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। सरकार को ऐसी औद्योगिक नीति बनानी चाहिए, जिससे भारतीय कंपनियों को सस्ती बिजली, आसान ऋण, आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। केवल आयात पर प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और कीमत भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनानी होगी। आज आवश्यकता है कि देश का प्रत्येक नागरिक खरीदारी करते समय यह विचार करे कि जिस वस्तु को वह खरीद रहा है, उसका निर्माण कहां हुआ है। यदि भारतीय उत्पाद उपलब्ध हैं और गुणवत्ता में बेहतर हैं, तो उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्वदेशी का अर्थ केवल नारा लगाना नहीं, बल्कि भारतीय श्रमिकों, उद्यमियों और उद्योगों को आर्थिक सहयोग देना है। सरकार को भी चीन सहित किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। साथ ही घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनुसंधान, तकनीक और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर प्रयास करना होगा। चीन से आने वाले उन उत्पादों पर उचित सीमा शुल्क, गुणवत्ता नियंत्रण और आवश्यकता के अनुसार आयात प्रतिबंध लागू किए जाएं, जिनसे भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुंचता है। यह नीति विश्व व्यापार के नियमों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के अनुरूप होनी चाहिए। अंततः भारत को ऐसा बाजार बनना चाहिए, जहां भारतीय उत्पादों को सम्मान और प्राथमिकता मिले। हमारा उद्देश्य किसी देश से व्यापारिक दुश्मनी करना नहीं, बल्कि अपने देश की उत्पादन क्षमता, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना होना चाहिए। भारत की संपत्ति, भारत की मेहनत और भारत की पूंजी का अधिकाधिक लाभ भारत के नागरिकों को मिलना चाहिए। देश का पैसा देश में रहेगा, तो उद्योग बढ़ेंगे, व्यापार मजबूत होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अब समय आ गया है कि हम केवल विदेशी वस्तुओं के उपभोक्ता बनकर न रहें, बल्कि विश्वस्तरीय वस्तुओं के निर्माता भी बनें। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना ही मजबूत अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राशिफल



मेष राशि आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से आज सलाह मिलेगी। आज किसी पुराने मित्र की मुलाकात से आपको खुशी होगी। आप आज शाम किसी बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं जहां आपकी मुलाकात किसी रिश्तेदार होगी।

वृष राशि आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप किसी काम करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्मिक ज्ञान में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा।

मिथुन राशि आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आज दूसरों के बारे में दखलंदाजी से आपकी मान हानि जैसी स्थिति बन सकती है। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा।

कर्क राशि आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा जिससे काम समय से पूरा हो जायेगा,आप काम के नए टारगेट बनायेंगे।

सिंह राशि आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किये जा सकते हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता भी प्राप्त होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा।

कन्या राशि आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों के भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। किसी मामले को शांति से सुलझाने की कोशिश करें।

तुला राशि आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। आज करीबी दोस्त या रिश्तेदार आपकी परेशानी की वजह बन सकता है। आज आप बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है।

वृश्चिक राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहे और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना ले। आज किसी भी प्रकार का अनुचित कार्य आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपको बहुत अधिक लाभदायक रहेगा।

धनु राशि आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना संबंधों में मधुरता लाएगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा।

मकर राशि आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें।

कुंभ राशि आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद-विवाद निपटने से घर में सुकून और शांति पूर्ण माहौल रहेगा। आप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। निश्चित रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कंफ्यूजन की स्थिति खत्म होगी।

वोट चोरों की गद्दी हिलने लगी!

राजेंद्र शर्मा

एसआइआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन एक नया रूप ले रहा है। अक्टूबर में यह आंदोलन मुख्यतः देश की राजधानी में और उसमें भी विशेष रूप से जंतर-मंतर पर केंद्रित था और 1 नवंबर की रामलीला मैदान की विशाल रैली में अपने उत्कर्ष पर पहुंचा। उसके बाद से लगातार इस आंदोलन का देश भर में फैलाव हो रहा है और इस क्रम में जनता के बढ़ते दायरे तक इस आंदोलन की मांगों के साथ-साथ, यह राजनीतिक संदेश पहुंच रहा है कि मोदीशाही की करतूतों से जनतंत्र के अस्तित्व के लिए ही खतरा पैदा हो गया है। प्रकटतः न भी सही, फिर भी किसी न किसी प्रकार इस बढ़ती जन-भावना के प्रभाव में, एक अन्य स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय में भी इस आंदोलन के दौरान उठे मुद्दों से जुड़ी चुनौतियां दिलचस्प तरीके से आगे बढ़ रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त की परेशानियों में बढ़ोतरी करते हुए, ताजातरीन घटनाक्रम में इंडिया गठबंधन से जुड़ी तेरह विपक्षी पार्टियों की संयुक्त याचिका के अगले कदम के रूप में, चुनाव आयोग के नाम पर सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत हलफनामे पर, अदालत से तथ्यों को स्पष्ट करने के लिए आयोग से प्रश्न करने का अवसर मांगा गया है और इसके लिए 48 प्रश्न रखे गए हैं। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने, इन प्रश्नों पर कोई भी निर्णय 9 दिसंबर तक के लिए खिसका दिया है, लेकिन आयोग को इस दौरान विपक्ष की उक्त प्रार्थना पर अपना पक्ष रखने के लिए भी कह दिया है। जाहिर है कि चुनाव आयोग के वकील ने इन प्रश्नों के पूछे जाने पर कड़ी आपत्ति जतायी थी। ऐसा लगता नहीं है कि ज्ञानेश कुमार को सुप्रीम कोर्ट से आसानी से कोई राहत मिलेगी। बहरहाल, इस बढ़ते तूफान के सामने एक ओर ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग, बढ़ती आलोचनाओं के सामने चुप्पी साधे-साधे, पर्दे के पीछे से अपने विवादास्पद निर्णयों से पीछा छुड़ाने की कोशिशें कर रहा है। इसके लिए उसने नये मतदाताओं द्वारा भरे जाने वाले फार्म-6 में जोड़ी गयी अवैध घोषणा से पीछा छुड़ाने से लेकर, ईसीआइनैट के जरिए मतदाता सूचियों का नियंत्रण पूरी तरह से सीमा खन्ना के हाथों में सोंपने की स्थिति को पलटने तक के कदम उठाए हैं। यहां तक कि चुनाव आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान छूट गए पहले के मतदाताओं को सूची में लाने के दोबारा प्रयास करने के निर्देश भी जारी किए हैं, जो इस अर्थ में एसआइआर की पूरी प्रक्रिया के ही औचित्य पर सवाल खड़ा कर देता है कि यह लगभग प्रत्यक्ष रूप से यह स्वीकार करना है कि किसी न किसी तरह से, इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम कटे हैं। एसआइआर की प्रक्रिया के नाम पर, 2024 की मतदाता सूचियों में से अब तक 13 करोड़ 30 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने की संख्या इतनी बड़ी है कि ज्ञानेश कुमार का चुनाव आयोग भी, इसके ''सामान्य'' होने की मुद्रा नहीं अपना सकता है। फिर भी, चुनाव आयोग जहां अदालती चुनौतियों के सामने, सब कुछ नियमानुसार होने के दिखावे के पीछे छुपने की कोशिश कर रहा है, वहीं एसआइआर को जारी



रखकर और विधानसभाई चुनावों के अगले चरण के लिए अपनी तैयारियों की घोषणा कर, सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा होने का दिखावा करना भी जारी रखे हुए है। उधर संघ परिवार तथा उनकी मोदीशाही, जो चुनाव आयोग को अपना वफादार बनाने की मुख्य लाभार्थी हैं, ''वोट चोरी'' के आरोपों से बचाव की कोशिश में, ध्यान बंटाने के अपने जाने-पहचाने खेल में जुटे हुए हैं, जिसमें उन्हें खासी महारत हासिल भी है। इसी खेल के हिस्से के तौर पर, कांग्रेस और उसकी तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित, तीन दिनी इंडिया समिट में, विदेशी प्रतिनिधियों को बुलाकर, भारत के हालात पर चर्चा कर के, ''भारत को बदनाम'' किए जाने का झूठा शोर मचाया जा रहा है। इस संदर्भ में इस आयोजन में शामिल हुए इटली से आए, यूरोपियन सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष के भारत में जनतंत्र के लिए खतरे के संदर्भ में ''वोट चोर गद्दी छोड़'' का नारा दोहराए जाने को खासतौर पर उछाला जा रहा है। यहां तक कि संघ परिवार के तौर-तरीकों के अनुरूप, किसी जाहिद अली नाम शख्श से, विदेशियों की ऐसी 'भारत-विरोधी' हरकतों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका तक दर्ज करा दी गयी है, जिसे शासन के प्रति अतिरिक्त रूप से नरम मुख्य न्यायाधीश ने, जल्द सुनवाई के लिए स्वीकार भी कर लिया है। ध्यान बंटाने की इस कोशिश के प्रति संघ परिवार की गंभीरता का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि इसका शोर मचाने की शुरूआत, बाकायदा खुद अमित शाह ने की है, जिन्हें व्यापक रूप से मोदीशाही में नंबर-दो माना जाता है। संघ परिवार जिस तरह से देश के हालात पर हर प्रकार की वास्तविक चर्चा को देश की चारदीवारी में ही बंद रखने की एक सरासर बेतुकी और वास्तव में झूठी मांग को ''देशभक्ति'' के पैमाने तौर पर और खासतौर पर विपक्ष पर थोपने की कोशिश करता रहा है, उसका यह पहला उदाहरण नहीं है। लेकिन, अव्वल तो ''देशभक्ति'' का यह पैमाना खुद उसकी अपनी नजर में इतना अगंभीर है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मामले में यह पैमाना, खुद ब खुद स्थगित जो जाता है। किसी से छुपा हुआ नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी न सिर्फ अपने विदेश दौरों में प्रवासी भारतीयों की सभाओं में अपने संबोधनों में, भारत में अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमले करते रहे हैं बल्कि अपने से पहले आयी सरकारों की लकीर छोटी कर के अपनी सरकार की लकीर बड़ी करने की कोशिश में, अपने सत्ता में आने से पहले के भारत की वास्तविकता से भी बहुत दयनीय तस्वीर पेश करते आये हैं। वास्तव में दक्षिण कोरिया, से लेकर चीन तथा अमरीका तक में, प्रधानमंत्री मोदी के अपने केंद्र में सत्ता में आने से पहले के भारत की बहुत ही दयनीय छवि पेश करने वाले बयानों से, इस समय सोशल मीडिया पटा पड़ा है। लेकिन, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह कि इस तरह का तकाजा सरासर जनतंत्र-विरोधी, बल्कि फासीवादी है। जनतंत्र, बराबरी और न्याय के तकाजे, अपनी प्रकृति में अविभाज्य हैं और इसलिए सार्वभौम हैं और उनके सार्वभौम होने के साथ ही मानवता का विकास जुड़ा हुआ है। इन मूल्यों के लिए संघर्ष करने वाली ताकतों की एकजुटताओं को न देशों की सीमाओं में बांधा जा सकता है और न कभी वास्तव में बांटा जा सकता है। कम से कम भारत जैसे साम्राज्यवाद-विरोधी संघर्ष के लंबे दौर के जरिए विदेशी गुलामी से आजाद हुए देश के लिए स्वतंत्रता, समानता, जनतंत्र जैसे मूल्यों पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के महत्व को, समझने-समझाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। इसी इतिहास के हिस्से के तौर पर स्वतंत्रता के बाद भारत ने न सिर्फ अनेक दूसरे पराधीन देशों की स्वतंत्रता को प्रेरित किया था, बल्कि स्वतंत्रता हासिल करने में उनकी यथासंभव मदद भी की थी। आगे चलकर, इन्हीं मूल्यों ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के रूप में, नव-स्वाधीन तथा कम विकसित देशों की व्यापक एकजुटता तथा महत्वपूर्ण आवाज को रूप दिया था। यहां तक कि इसकी फीकी नकल में नरेंद्र मोदी तक, अपने वैश्विक दक्षिण का प्रवक्ता होने का दिखावा करते हैं। लेकिन, नरेंद्र मोदी जिस संघ की परंपरा के वारिस हैं, वह चूंकि आजादी की लड़ाई के विरोध में ही खड़ा रहा था, इन सार्वभौम मूल्यों पर आधारित एकजुटताओं से उसका कोई परिचय ही नहीं है। हैरानी की बात नहीं है कि मोदी राज में भारत की विदेश नीति को इन सभी मूल्यों से बरी कर के महज ''लेन-देन'' की नीति बनाकर छोड़ दिया गया है। हां! चूंकि इस लेन-देन में, अपने से ताकतवर की खुशामद करना भी शामिल है, इसलिए पूरा संघ परिवार इसका तो शोर मचा रहा है कि एक इतालवी नेता ने ''वोट छोड़ गद्दी छोड़'' क्यों कह दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के ''अब की बार ट्रंप सरकार'' का नारा लगाकर अमरीका के चुनाव में भारतीयों के वोट ट्रंप की गोद में डालने की कोशिश करने में, उसे कुछ भी गलत नहीं लगा। इसी दौरान अमित शाह ने ही ध्यान बंटाने के ही एक और पेंतरे में, इसकी अटकलों को एक बार फिर हवा दे दी कि मानसून सत्र को अब तक खत्म न कर के स्थगित ही किए जाने के सहारे, संसद का विशेष सत्र तुरत-फुरत बुलाकर, महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता बनाने की आड़ में परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन दोबारा लाया जाएगा और इस बार उसे पारित करा लिया जाएगा। एनडीए के प्रकटतः संविधान संशोधन के लिए आवश्यक बहुमत से काफी दूर होने के बावजूद, शाह ने प्रेस के सामने 10-15 फालतू वोट के साथ दोनों सदनों में संशोधन पारित कराने का दावा किया था। वास्तव में भाजपा क्या एक बार फिर अनिश्चित यह दांव खेलने का जोखिम उठाना चाहेगी, यह तो आने वाले दिन ही बताएंगे, लेकिन तत्काल हैडलाइन भरने के लिए तो इसकी उपयोगिता स्वतःस्पष्ट है। फिर भी संघ-भाजपा का ध्यान बंटाने का यह खेल सिर्फ ''देश की बदनामी'' का शोर मचाने या संसद का विशेष बुलाकर परिसीमन थोपने के दावों तक ही सीमित नहीं रहा है। ध्यान बंटाने का इससे भी बड़ा और खतरनाक खेल, उत्तर प्रदेश में शुरू हो गया है, जहां अगले साल की पहली तिमाही में ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। मथुरा में भाजपा के दो-दिवसीय क्षेत्रीय सांगठनिक सम्मेलन के मौके पर, उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बाकायदा इसका एलान कर दिया कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर ''भव्य मंदिर'' का निर्माण, 2027 के विधानसभाई चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा होगा। इस घोषणा की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि सत्ताधारी पार्टी की जिस बैठक के मौके पर उक्त घोषणा की गयी, उसमें मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ ही भाजपा तथा संघ के केंद्र व राज्य, दोनों के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद थे। यह दूसरी बात है कि मोदीशाही के लिए अति-महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में, चुनाव से पहले ध्यान बंटाने के इस खेल का एक मकसद और था। इसका संबंध, खुद सत्ताधारी पार्टी में असंतोष भड़कने की आशंकाओं की ओर से ध्यान बंटाने से था। ये आशंकाएं इसकी व्यापक रूप से आयी खबरों से भड़क रही थीं कि लखनऊ से विधानसभा चुनाव के लिए 202 नामों की सूची दिल्ली में पार्टी केंद्र के पास भेजी गयी थी! चूंकि इसे एक ओर बड़ी संख्या में निवर्तमान विधायकों की छुट्टी का और दूसरी ओर, योगी की सत्ता की ओर से दिल्ली को उसकी हद दिखाए जाने का संकेत माना जा रहा था, इससे सत्ताधारी पार्टी में जबर्दस्त हड़कंप मच गया। यहां तक कि बाद में मुख्यमंत्री तथा राज्य भाजपा अध्यक्ष को संयुक्त रूप से एक बयान जारी कर, ऐसी कोई सूची बनने का बाकायदा खंडन करना पड़ा था।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

ग्रीस में परिवार संग छुट्टियां मना रहे रजनीकांत, सौंदर्या ने शेयर की खास तस्वीरें



अभिनेता रजनीकांत की छोटी बेटी और प्रोड्यूसर सौंदर्या रजनीकांत ने मंगलवार को ग्रीस में अपने परिवार के साथ समय बिताते हुए सुपरस्टार रजनीकांत की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा, एथेंस में हमने कितनी शानदार यादें बनाई हैं। अपने इंस्टाग्राम पेज पर पूरे परिवार की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए, जिनमें सुपरस्टार रजनीकांत को ग्रीस के एथेंस में टहलते हुए देखा जा सकता है, प्रोड्यूसर ने लिखा, एथेंस में हमने कितनी शानदार यादें बनाई हैं। इस खूबसूरत पारिवारिक ट्रिप के हर पल का भरपूर आनंद ले रहे हैं। बता दें कि रजनीकांत और उनका पूरा परिवार ग्रीस गया था, जहां वे अपने रिश्तेदार और भारत के जाने-माने म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर की शादी में शामिल हुए।

अनिरुद्ध रविचंदर ने काव्या मारन से शादी की। काव्या मारन, सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन की बेटी हैं और आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन हैं। यह शादी इस साल 11 नवंबर को एक भव्य समारोह में संपन्न हुई।

ग्रीस में दो दिनों तक चली इस शादी में कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं, जो सभी के आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस शादी में तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन भी मौजूद रहे।कलानिधि मारन के प्रोडक्शन हाउस, सन पिक्चर्स ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर इस शानदार शादी के कुछ खास पल शेयर किए। प्रोडक्शन हाउस ने जोड़े को बधाई देते हुए लिखा, काव्या और अनिरुद्ध को उनकी शादी के लिए बहुत-बहुत बधाई! काव्याएंडअनिरुद्ध।संगीत निर्देशक की शादी की खबर की आधिकारिक पुष्टि सबसे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि सन ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन और उनकी पत्नी कावेरी मारन ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी बेटी काव्या मारन की शादी के रिसेप्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया, जो 21 नवंबर को चेन्नई में आयोजित होने वाला है।

नवाजुद्दीन पर दीया मिर्जा का फूटा गुस्सा, यूजर्स ने कहा- नए प्रोजेक्ट का प्रमोशन है

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने बुधवार को अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को एक बुरे सपने जैसा बताया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है और कई यूजर्स इसे पीआर स्ट्रैटजी बता रहे हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार को लेकर उनकी आलोचना की। अभिनेत्री अपनी पोस्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को टैग करते हुए लिखती हैं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना मेरे लिए बुरे सपने जैसा है, उन्हें बात करने की तमीज नहीं है, उनका एटीट्यूड अलग ही लेवल का है और वे बेहद आपत्तिजनक इंसान हैं।

दीया मिर्जा ने अपनी इस पोस्ट के पीछे की कोई वजह या संदर्भ अभी तक साझा नहीं किया है। हालांकि, अभी तक न तो दीया मिर्जा ने इस पर कोई सफाई दी है और न ही नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से कोई जवाब आया है।

अभिनेत्री की पोस्ट में कोई स्पष्ट विवरण न होने के कारण सोशल मीडिया यूज़र्स इसे किसी आने वाले प्रोजेक्ट या विज्ञापन के प्रमोशन व पब्लिसिटी स्टंट के तौर पर देख रहे हैं, जबकि कुछ लोग किसी संभावित विवाद को लेकर हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा, ये भी पीआर ही होगा, आजकल सब वही है।

दूसरे यूजर ने लिखा, नवाजुद्दीन के 10 मिलियन फॉलोअर्स हैं और दीया मिर्जा के फॉलोअर्स उसके आधे हैं।

एक अन्य यूजर ने लिखा, आजकल लोग काफी समझदार हो गए हैं और प्रमोशन वाली चीजों को आसानी से पहचान लेते हैं। पीआर टीमों को अब लोगों से सच में जुड़ने के लिए नए और अलग तरीके



सोचने होंगे। नहीं तो एक ऐसा वक्त आ जाएगा जब लोग कलाकारों के सच्चे पोस्ट और जरूरी बातों को भी नजरअंदाज करने लगेंगे, क्योंकि उन्हें लगेगा कि ये भी बस एक और प्रमोशन है।

एक और यूजर ने दीया मिर्जा की एक्टिंग का मजाक उड़ाते हुए लिखा, लेकिन उनकी एक्टिंग आपकी एक्टिंग से अच्छी है।

सोनिया-राजीव पर ट्रोलिंग पर भड़कीं सोनाक्षी, कहा- पति और पत्नी का प्यार गलत कैसे हुआ?

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने राहुल गांधी द्वारा सोनिया गांधी और राजीव गांधी को लेकर दिए गए बयान पर छिड़ी बहस के बीच मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने कहा कि उनके आने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि आगे क्या होने वाला है और उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए सवाल उठाया कि पति-पत्नी के बीच प्रेम को आखिर सामाजिक गलती के रूप में क्यों देखा जा रहा है। उन्होंने लिखा, क्या कुछ लोग सिर्फ इसलिए नाराज हैं कि सोनिया गांधी लंच के समय राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं? उन्होंने आगे कहा कि यह दिखाता है प्रेम और वैवाहिक संबंधों को लेकर लोगों की सोच कितनी संकीर्ण हो चुकी है। ऐसे लोग पति-पत्नी के बीच प्रेम को भी गलत नजरिए से देखते हैं, जबकि एक-दूसरे के प्रति प्रेम और लगाव किसी भी वैवाहिक संबंध का स्वाभाविक हिस्सा है। सोनाक्षी ने आगे लिखा, धत तेरी की, मेरे होने वाले बच्चों को जरा भी अंदाजा नहीं है कि उनके साथ क्या होने वाला है। कमर कस लो बच्चों (तुम जहां कहीं भी हो, अभी)।



दरअसल, 16 नवंबर को नई दिल्ली में सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव लॉन्च के दौरान राहुल गांधी ने अपने माता-पिता के बचपन और परिवार से जुड़ा एक किस्सा साझा किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि पारिवारिक भोजन के दौरान सोनिया गांधी अपने पति और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की गोद में बैठती थीं।

उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें शुरू में लगता था कि यह हर फैमिली में ऐसा ही होता था, जब तक कि वे अपने दोस्तों के घर नहीं गए। अब इस बात को लेकर सोशल मीडिया और राजनीति में एक बार फिर नई बहस शुरू हो गई।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बात करें, तो वह हाल ही में फिल्म तू है मेरी किरण में नजर आई थीं। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल लीड रोल में हैं, जबकि अंकित गुप्ता, शर्लिन सेठ, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य सपोर्टिंग रोल में हैं।

अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की।

रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं।



इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

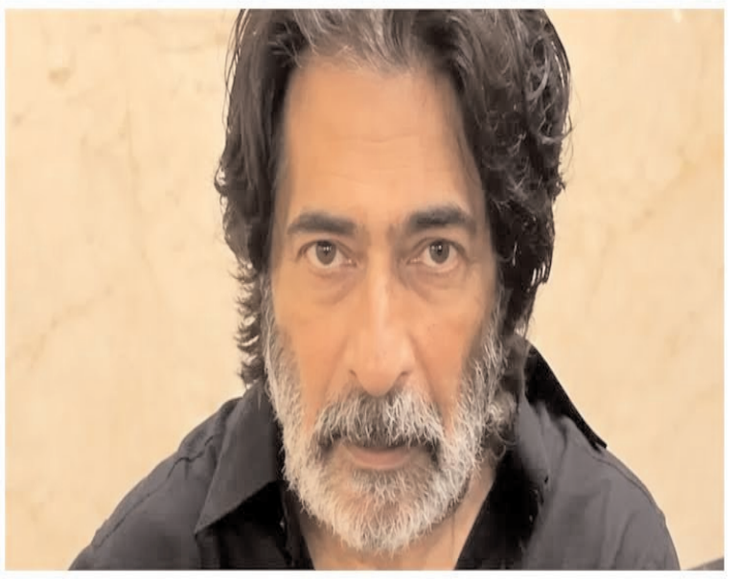
बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं।

कुमार सानू ने बताया क्यों हैं वे मेलोडी किंग, बोले- गाना गाते वक्त खुद को समझता हूं हीरो

मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू अपनी रोमांटिक आवाज और मधुर गीतों के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में अपनी गायकी के पीछे की तकनीक शेयर की। बातचीत के दौरान आईएएनएस ने गायक से कहा कि उन्होंने लगभग हर सुपरस्टार के लिए गाना गाया है और उनकी आवाज़ सब पर जंचती है, तो कुमार सानू ने कहा, इसका मतलब है कि मैं ही हीरो हूं। दरअसल, जब मैं कोई गाना गाता हूं, तो मैं खुद को हीरो समझता हूं। मेरी गायकी में एक स्टाइल है, जिसे विजुअल सिंगिंग कहते हैं। ये बात शायद किसी ने नहीं कही होगी, लेकिन मैं पहली बार कह रहा हूं कि जब भी मैं कोई गाना गाता हूं, तो मैं सोचने लगता हूं कि मैं हीरोइन के साथ बगीचे में क्या कर रहा हूं? गाने के बोल लिखते वक्त भी मेरे दिमाग में विजुअल इमेज बन जाती है और यही कारण है कि आपको गाने में जान महसूस होती है। उन्होंने आगे बताया कि अक्सर लोग मुझसे कहते हैं कि आप मेलोडी किंग हैं, तो उसके पीछे यही राज है। उन्होंने कहा, तो कोई भी गाना गाने से पहले, मैं अपने आपको उस गाने का हीरो मान लेता हूं और उसी का तरह एक्सप्रेशन देता हूं। अब, बाद में कौन-सा हीरो उस पर लिप-सिंक करेगा या उसे और बेहतर बनाएगा, ये उसकी काबिलियत पर निर्भर करता है।उन्होंने आगे कहा, हम पर्दे के पीछे हैं, गाना गाते हैं, इसलिए हम प्लेबैक सिंगर हैं और हीरो पर्दे के सामने होते हैं। वो जो भी करेंगे, दिखेगा। हमने कैसे गाया, वो बाद में आएगा। पहले लोग देखेंगे कि स्क्रीन पर गाना कैसा लग रहा है। अब, जो कुछ भी कह लो, मैं ऐसे ही गाता था। लोग इसे इंटेलिजेंट, क्लासिकल बेस सिंगिंग और कई तरह के नामों से बताते हैं, लेकिन मेरे दिमाग में जो होता है, वही मेरी सिंगिंग में आता है, जिसे विजुअल सिंगिंग कहते हैं।कुमार सानू 90 के दशक के लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने 1991 से 1995 तक लगातार पांच बार फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का पुरस्कार जीता और 2009 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है।



इंडस्ट्री ने दोनों हाथ फैलाकर अपनाया, खराब सेहत से जूझ रहे शरद कपूर ने किया खुलासा



अभिनेता शरद कपूर पिछले कुछ समय से खराब सेहत, पैर की चोट और मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों ने उनसे संपर्क किया है और वह जनवरी से काम पर लौटने की बात कह रहे हैं। आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत में उन्होंने बताया कि भारत लौटने के बाद सलमान खान ने उन्हें फोन करके मदद का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा, सलमान खान ने मुझसे बात की थी और मुझसे कहा था कि अगर कोई भी जरूरत हो, तो मुझे फोन करना। मैंने कहा, जरूर भाई, अगर जरूरत पड़ी तो मैं आपको जरूर फोन करूंगा। शरद कपूर ने बताया कि वह पिछले 3-4 साल से न्यूयॉर्क में रह रहे थे और भारत लौटने के बाद से फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने कहा, मैं न्यूयॉर्क में करीब तीन-चार साल तक था, लेकिन यहां आने के बाद मुझे फिल्म इंडस्ट्री से बहुत सपोर्ट मिला है। अहमद खान और रोहित शेट्टी ने फोन किया। इसके लिए मैं उनका बहुत शुक्रगुजार हूं और भगवान ने चाहा, तो जनवरी तक मैं काम शुरू कर दूंगा।

शरद कपूर ने इंडस्ट्री से मिले प्यार और सपोर्ट के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वो अकेले हैं। एक्टिंग में वापसी को लेकर शरद ने कहा कि वो हर तरह के फिल्ममेकर्स और एक्टर्स के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने फिल्ममेकर मंसूर खान के डायरेक्शन में वापसी का भी स्वागत किया और कहा कि उन्हें उनके साथ काम करके खुशी होगी। शरद ने कहा, रोहित शेट्टी, मंसूर खान वापस आ रहे हैं। मैं उनके साथ काम करना चाहूंगा। मुझे किसी के भी साथ काम करने में कोई दिक्कत नहीं है और एक्टर की बात करें, तो अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और सलमान खान जैसे एक्टर्स के साथ काम करने में मजा आएगा।

अभिनेता शरद कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को एक बेहद खास और अहम नसीहत दी। उन्होंने इंडस्ट्री के काम करने के तरीके, रिश्तों और बदलते दौर पर अपनी बात रखते हुए कहा, सभी को ध्यान से काम करने की बहुत जरूरत है, क्योंकि अब इंडस्ट्री में प्रोफेशनल होकर काम होता है, न कि इमोशनल होकर।

पिंच मयूरासन ल कंधे-गर्दन के दर्द और तनाव से पाना है छुटकारा, तो रोज करें ये आसन



आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग कंधे, गर्दन और पीठ के दर्द, तनाव और कमजोर कोर से परेशान हैं। ऐसे में पिंच मयूरासन ऐसे आसनों में से एक है, जो इन सभी पर काम करता है। यह शरीर का संतुलन, फोकस और मानसिक स्थिरता बढ़ाता है। संस्कृत में पिंच का अर्थ पंख और मयूर का अर्थ मोर होता है। इस मुद्रा में शरीर की आकृति पंख फैलाए हुए मोर के समान दिखाई देती है। पिंच मयूरासन को फोरआर्म के नाम से भी जाना जाता है। इसमें शरीर को कोहनियों के बल पर उल्टा खड़ा किया जाता है, जो देखने में थोड़ा मुश्किल लगता है। मोर जब अपने पंख फैलाता है, तो उसका रूप जितना सुंदर लगता है, ये आसन भी शरीर को वैसा ही संतुलन और सुंदरता देता है। यही वजह है कि इसे मोर के नाम पर रखा गया है।

केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने पिंच मयूरासन को संतुलन और व्युत्क्रम आसन के रूप में मान्यता दी है। इसके अनुसार, पिंच मयूरासन करने के दौरान शरीर का पूरा भार कोहनियों और बांहों पर होता है।

यह आसन कंधों, पीठ और पैरों की हड्डियों पर असर करता है। इस आसन को करते समय जब कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है, तो शरीर की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और पोषक तत्व तेजी से हड्डियों तक पहुंचते हैं। यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है और कमर के निचले हिस्से की मजबूती बढ़ाता है।

पिंच मयूरासन सिर्फ ताकत और बैलेंस का आसन नहीं है बल्कि ये आपके दिमाग और नर्वस सिस्टम पर भी गहरा असर डालता है। दरअसल, जब हम इस आसन में सिर नीचे और पैर ऊपर करते हैं, तो शरीर की पूरी दिशा बदल जाती है। इससे दिमाग को एक नया अनुभव मिलता है। दिमाग उस वक्त सिर्फ एक ही काम पर फोकस करता है - संतुलन बनाए रखना। इससे बेकार के विचार, चिंता और ओवरथिंकिंग अपने आप रुक जाती है।

शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को यह आसन दीवार के सहारे या किसी योग्य योग प्रशिक्षक की देखरेख में करना चाहिए। माइग्रेन, तीव्र सिरदर्द या आंखों से संबंधित गंभीर रोग (जैसे ग्लूकोमा) होने पर इस उल्टे आसन से बचें। महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान और मासिक धर्म के समय इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

पोप फ्रांसिस की निजी डायरी में यौन शोषण पर पीड़ा, आध्यात्मिक संकटों का खुलासा



वेटिकन। वेटिकन ने पोप फ्रांसिस की निजी डायरी को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया है, जिसका शीर्षक 'द प्राइवेट डायरी ऑफ पोप फ्रांसिस' है। यह पुस्तक पादरियों के यौन शोषण के मामलों पर उनकी गहरी पीड़ा, गंभीर आध्यात्मिक संकटों और शैतान से उनके कथित सामना की चौंकाने वाली अनुभूतियों को उजागर करती है। यह डायरी फ्रांसिस के मन और हृदय की गहराइयों में झांकने का मौका देती है, जिसमें उनके गहरे भय, असुरक्षा की भावनाओं, सपनों और प्रलोभनों का खुलासा किया गया है। पुस्तक से पता चलता है कि अर्जेंटीना मूल के पोप फ्रांसिस 2021-22 के दौरान गहरे आध्यात्मिक संकट से गुजरे, जो असीमित सत्ता का इस्तेमाल करने की अपनी लालसा से जुड़ा था। उन्होंने स्वयं को पूरी तरह ईश्वर की कृपा पर छोड़कर इस संकट पर काबू पाया। फ्रांसिस स्वयं के प्रति बेहद कठोर थे, अपनी निरर्थकता और शर्मिंदगी की भावना से व्यथित रहते थे, लेकिन उन्हें पूरा विश्वास था कि ईश्वर उन्हें निराशा की गहराइयों से भी बाहर निकालकर सही मार्ग दिखाएंगे। डायरी के सबसे मार्मिक अंशों में फ्रांसिस ने अपनी आध्यात्मिक पीड़ा और उन अनुभवों का खुलासा किया है, जिन्हें उन्होंने शैतान से सामना के रूप में वर्णित किया है। ये अनुभव बेहद तीव्र, वास्तविक और भयावह प्रतीत होते हैं। इसमें से दो घटनाएं ब्यूनस आयर्स में और तीसरी 2018 में चिली की उनकी विवादित यात्रा के बाद हुई थी। 24 जनवरी 2021 को उन्होंने अपनी डायरी में लिखा, मैंने उसे देखा और उसकी आवाज सुनी। वह विजयी भाव में था, मानो हर चीज पर उसका अधिकार हो गया हो। वर्ष 2018 में चिली की यात्रा के दौरान, फ्रांसिस ने वहां के सबसे कुख्यात यौन शोषणकर्ता के पीड़ितों की बातों को अविश्वसनीय बताकर विवाद खड़ा किया था। बाद में जांच और आत्मचिंतन से उन्हें एहसास हुआ कि पीड़ित सही थे और वह स्वयं गलत थे, क्योंकि चिली के चर्च के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें गुमराह किया था। फ्रांसिस ने बाद में लिखा कि इस प्रकरण में उन्होंने नरक का प्रवेश द्वार देखा और चर्च को कितनी शर्मिंदगी और बुराई में धकेल दिया है इस पर दुख व्यक्त किया।पोप के करीबी सहयोगी, कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज, वेटिकन के धार्मिक सिद्धांतों से संबंधित विभाग के प्रमुख, ने पुस्तक का संकलन किया है। फर्नांडीज के अनुसार, फ्रांसिस स्वयं चाहते थे कि उनके ये लेख प्रकाशित हों, क्योंकि उनका मानना था कि इससे अन्य लोगों को मदद मिलेगी। चमड़े की जिल्द वाली यह डायरी 1992 में ब्यूनस आयर्स के सहायक बिशप होर्खे मारियो बेर्गोग्लियो के रूप में उनके जीवन से शुरू होती है और 18 अगस्त 2024 को अंतिम बार इसमें कुछ लिखा गया था। हालांकि, फ्रांसिस के सबसे गोपनीय विचार ऐसी सांकेतिक भाषा में लिखे गए थे जिन्हें पुस्तक में शामिल नहीं किया गया है।



मिस्र में एक टैंकर ट्रक में टक्कर के बाद लगी आग के बाद काहिरा मैट्रोपोलिटन क्षेत्र में अफरा तफरी मच गयी।

हनोई में रेस्तरां धमाका: सात की मौत, नौ घायल, इमारत ढही

हनोई। वियतनाम की राजधानी हनोई के डोंग दा जिले में मंगलवार सुबह एक रेस्तरां में हुए भीषण धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। यह विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि रेस्तरां की इमारत का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर ढह गया, जिससे आसपास का क्षेत्र मलबे के ढेर में बदल गया। इस हृदय विदारक हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह दुखद घटना गुयेन वान तुयेत स्ट्रीट पर स्थित एक रेस्तरां में हुई, जो एक घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में स्थित है। धमाके की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेस्तरां की इमारत का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त हो गया और उसकी ईंटें, पत्थर व अन्य अवशेष दूर-दूर तक सड़क पर बिखर गए। आसपास के कई मकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए, दीवारों में गहरी दरारें आ गईं और विस्फोट के झटके कई किलोमीटर दूर तक महसूस किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका इतना तेज था कि कुछ घरों की बालकनी के दरवाजे तक उखड़कर दूर जा गिरे, जिससे इलाके में भारी दहशत फैल गई। धमाके के तुरंत बाद घटनास्थल पर चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय निवासी और आपातकालीन बचाव दल तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। अधिकारियों को आशंका है कि ढहे हुए हिस्से के नीचे कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं, जिसके चलते तलाशी अभियान में विशेष उपकरणों और भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। घायलों को तत्काल राजधानी के विभिन्न अस्पतालों में पहुंचाया गया है, जहां हनोई के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सभी को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। घायलों में शामिल एक व्यक्ति ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया था, जो धमाके के दौरान उड़कर आए मलबे की चपेट में आ गया था, जिससे मृतकों की संख्या सात हो गई। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के शुरुआती आकलन के अनुसार, यह विस्फोट खाना पकाने वाली गैस सिलेंडर से जुड़ा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जोली और पिट का वाइनरी विवाद सुलझा, दशक भर की कानूनी जंग खत्म

वाशिंगटन। हॉलीवुड की चर्चित पूर्व जोड़ी एंजेलीना जोली और ब्रैड पिट के बीच लंबे समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई है। उनके तलाक के करीब एक दशक बाद, दोनों अदाकारों ने अपनी फ्रांसीसी वाइनरी शातो मिरावल के स्वामित्व को लेकर जारी विवाद को अदालत के बाहर आपसी सहमति से सुलझा लिया है। इस समझौते से उनके जटिल और सार्वजनिक अलगाव से जुड़ा एक और प्रमुख अध्याय बंद हो गया है। एक संयुक्त बयान में, दोनों कलाकारों ने पुष्टि की कि उन्होंने मुकदमे का निपटारा किया है। उन्होंने कहा, हमने अपने परिवार के सर्वोत्तम हित में अदालत के बाहर समझौता कर लिया है और इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं करने वाले हैं। यह वाइनरी, जो फ्रांस में स्थित है, उनके अलग होने के बाद से विवाद का एक मुख्य बिंदु रही थी। यह मामला कारोबारी विवाद से कहीं आगे बढ़ गया था, जब जोली ने पिट पर दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए थे। जोली ने दावा किया था कि पिट ने वाइनरी की हिस्सेदारी बेचने के सौदे के तहत एक व्यापक गोपनीयता समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर करने की मांग की थी, जिसका उद्देश्य उनके और बच्चों के साथ कथित दुर्व्यवहार को सार्वजनिक होने से रोकना था। यही कथित घटना थी जिसके बाद जोली ने 2016 में परिवार के हित का हवाला देकर तलाक की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और बाल सेवा अधिकारियों ने उस निजी विमान यात्रा के दौरान पिट के व्यवहार की जांच की थी, जिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगा था, लेकिन किसी भी एजेंसी ने कोई आरोप तय नहीं किए। पिट ने हमेशा इन आरोपों से इंकार किया है। इस समझौते के साथ, उम्मीद है कि हॉलीवुड के इस पूर्व पावर कपल की कानूनी जंग का अंत हो जाएगा।

शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हाई अलर्ट, सरकार ने की कड़ी सुरक्षा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना दिसंबर में स्वदेश वापसी को लेकर देश में तनाव बढ़ गया है। बांग्लादेश में हालात पर काबू रखने के लिए सरकार ने कई जिलों में सुरक्षा कड़ी कर दी और सीमा सुरक्षा बल की 108 टुकड़ियां तैनात की हैं। इनमें से अकेले 56 को ही शेख हसीना के गृह जिले गोपालगंज में भेजा गया है। गोपालगंज में 56 पलटन तैनात हैं। वहां पर पहले से ही करीब 2,000 पुलिसकर्मी और विशेष बल तैनात हैं, क्योंकि हाल ही में यहां दो थानों और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों के घरों पर हमले हुए थे। इसके अलावा ढाका और गाजीपुर में 18-18 पलटन, नारायणगंज में 6, चटगांव में 3, मयमनसिंह में 2, कॉक्स बाजार 1 पलटन तैनात हैं। इन सभी के अलावा चार पलटन को अलर्ट पर रखा गया है। बीजीबी मुख्यालय ड्रोन और बॉडी कैमरों की लाइव फुटेज के जरिए 24 घंटे स्थिति पर नजर रख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि अवामी लीग के कार्यकर्ता सरकारी संपत्तियों और प्रमुख नेताओं को निशाना बना सकते हैं। इसके चलते सत्तारूढ़ बीएनपी, जमात-ए-इस्लामी और एनसीपी के नेताओं को सतर्क कर दिया गया है। साथ ही भारत और म्यांमार से लगने वाले 30 सीमावर्ती जिलों में भी गश्त तेज कर दी है ताकि सीमा पार से हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी रोकी जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर किए जा रहे लगातार हमलों को लेकर भारत ने रहमान सरकार से अपील की है कि वह इन सभी घटनाओं की गहराई से जांच कराए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा स्वाभाविक रूप से भारत के लिए चिंता का विषय है।

इजरायल का दावा: ईरान बना रहा रासायनिक हथियार, सैन्य कार्रवाई संभव

तेलअवीव। तेल अवीव से मिली जानकारी के अनुसार, इजरायली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाया है कि वह रासायनिक हथियार (केमिकल वेपन) तैयार कर रहा है। काट्ज ने चेतावनी दी है कि ईरान को इनका इस्तेमाल करने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर हमले की वकालत की, दावा करते हुए कहा कि इजरायली सेना (आईडीएफ) और अमेरिकी सेंट्रल कमांड ईरान पर संभावित हमलों की तैयारी कर रही हैं। इससे क्षेत्र में एक बार फिर जंग छिड़ने के संकेत मिल रहे हैं। इजरायली रक्षा मंत्री काट्ज ने तेल अवीव में दावा किया कि इजरायल और अमेरिका के पास ऐसी खुफिया जानकारी है, जिससे संकेत मिलता है कि 28 फरवरी को शुरू हुए उनके संयुक्त सैन्य अभियान के बाद ईरान ने रासायनिक हथियार बनाना शुरू किया है। हालांकि, उन्होंने कार्यक्रम की प्रगति या इसके निर्माण स्थल का खुलासा नहीं किया। इजरायली रक्षा मंत्री का दावा है कि ईरान इन हथियारों को इजरायल और क्षेत्र के अन्य देशों के खिलाफ एक गेम-चेंजर के रूप में तैयार कर रहा है। उनका इरादा खतरनाक और गैर-पारंपरिक क्षमता को हासिल करना है। इजरायल को मिली यह खुफिया जानकारी अमेरिका के साथ साझा की गई है। इजरायली रक्षा मंत्री काट्ज ने जोर देकर कहा कि इजरायल दृढ़ है कि ईरान ऐसी क्षमता हासिल न कर पाए, जो उसके और पूरे क्षेत्र के लिए खतरा पैदा करे। उन्होंने कहा कि यदि खतरा तत्काल होता, तब इजरायल अब तक कार्रवाई कर चुका होता, लेकिन वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं और ईरान को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। काट्ज ने चेतावनी दी कि यदि ईरान रासायनिक हथियार बनाने की क्षमता प्राप्त कर लेता है, तब वह निश्चित रूप से उनका उपयोग करेगा। उन्होंने इन हथियारों को ईरान के लिए डिटेरेंट के रूप में भी देखना बेहद गंभीर बताया, क्योंकि यह उसके परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का जरिया भी बन सकता है।

इंडोनेशिया की अवैध सोने की खदान में आई बाढ़ से 3 की मौत, 23 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत में सोने की एक अवैध खदान में अचानक आई बाढ़ से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस घटना में कम से कम 26 खनिक खदान के अंदर पानी में फंस गए, जिनमें से अब तक तीन के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि 23 की तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण सिसेरेह नदी का पानी खदान की सुरंगों में घुस गया, जिससे यह घटना हुई। यह खदान करीब 100 मीटर गहरी है और राजधानी जकार्ता के दक्षिण में बोगोर जिले के एक पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाढ़ का पानी घुसने से पहले ही 11 खनिक सुरक्षित बाहर निकल गए थे। स्थानीय खनिकों और लोगों ने शुरुआत में पंप लगाकर पानी निकालने की कोशिश की, लेकिन स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। चूंकि यह खनन गतिविधि अवैध रूप से चल रही थी, इसलिए अधिकारियों को तत्काल इसकी सूचना नहीं दी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक उन्हें बाढ़ आने के करीब 16 घंटे बाद खनिकों के फंसे होने की खबर मिली। आपदा रोधी एजेंसी के प्रमुख ने भी इस बात की पुष्टि की कि अवैध गतिविधि के कारण जानकारी देने में देरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों, दमकलकर्मियों और अन्य एजेंसियों के शुरुआती आकलन के बाद जकार्ता खोज और बचाव एजेंसी को एक औपचारिक रिपोर्ट भेजी गई, जिसके बाद बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि खदान की अत्यधिक गहराई, अंदर जाने का संकरा रास्ता और रोशनी की सीमित व्यवस्था जैसी चुनौतियां बचाव अभियान को और भी जटिल बना रही हैं, जिससे बचावकर्मी सुरक्षित तरीके से काम कर सकें। बुधवार को बचाव अभियान के दौरान पहला शव दोपहर के बाद मिला, जिसके बाद करीब एक घंटे के भीतर दो और शव बरामद हुए।

तुर्की की ब्लू मस्जिद में मॉडल ने वीडियो बनाया, चिगडेम बातुर के खिलाफ जांच शुरू

अंकारा। इस्तांबुल की प्रसिद्ध ब्लू मस्जिद के अंदर एक वीडियो बनाने को लेकर तुर्की की मॉडल चिगडेम बातुर के खिलाफ जांच शुरू हो गई है। बातुर ने मस्जिद के अंदर पैरों की कथित बदबू को लेकर एक वीडियो बनाया था, जिसमें उन्हें अपनी नाक बंद करते हुए देखा जा सकता है। इस घटना ने देश में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक नई बहस छेड़ दी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब चिगडेम बातुर ने इस्तांबुल की ब्लू मस्जिद के अंदर एक वीडियो रिकॉर्ड किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में डार्क हुडी पहने और कंधे पर बैग टांगे बातुर मस्जिद के विशाल गुंबद, झूमर और लाल कालीन बिछे थे। इस दौरान बातुर नाक पकड़े हुए दिखाई देती हैं। उनका दावा था कि मस्जिद के भीतर फैली तेज बदबू के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे, और उन्हें लगा कि इससे अंतरराष्ट्रीय सैलानियों के सामने तुर्की की छवि खराब हो सकती है। बाद में उन्होंने स्पष्टीकरण दिया कि उनका मकसद किसी का अपमान करना नहीं था, बल्कि वेंटिलेशन और साफ-सफाई को लेकर जागरूकता फैलाना था। हालांकि, उनके इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। एक तबके ने धार्मिक स्थल पर इस तरह का वीडियो बनाने पर कड़ी नाराजगी जताई। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए मॉडल चिगडेम बातुर के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में जांच शुरू कर दी है।

भारत ने खोल दिया खजाना, बड़ा सवाल...क्या नेपाल उठा पाएगा इसका लाभ

काठमांडू। नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह का हालिया भारत दौरा मीडिया में खूब चर्चा में रहा। रॉकस्टार के रुप में मशहूर पीएम शाह की यात्रा से कई उम्मीदें जुड़ी थीं। सवाल यह है कि भारत द्वारा पेश किए गए सहयोग और समझौतों को क्या नेपाल इस बार जमीन पर उतार पाएगा, जबकि अतीत में वह भारत से मिली आर्थिक मदद का उपयोग करने में अक्सर नाकाम रहा है। इस दौरे के दौरान भारत ने नेपाल के लिए करीब 240 अरब नेपाली रुपये (करीब 15 हजार करोड़ भारतीय रुपये) के एक नए पैकेज की घोषणा की है। इसमें 3500 करोड़ रुपये का अनुदान और 11,500 करोड़ रुपये की क्रेडिट लाइन शामिल है, जो मुख्य रूप से नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र के लिए है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है।

कराची में निर्माणाधीन इमारत ढही: तीन की मौत, कई फंसे

कराची। पाकिस्तान में बुधवार को एक निर्माणाधीन छह मंजिला इमारत अचानक ढह गई। शहर की एडमिनिस्ट्रेशन सोसाइटी में बलूच कॉलोनी के पास हुई इस दुर्घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 घायल हुए हैं। मलबे में करीब 10 अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकालने में जुटे हैं। हादसे के समय इमारत में निर्माण कार्य चल रहा था और कई मजदूर पांचवीं मंजिल पर काम कर रहे थे। अचानक कंपन महसूस हुआ और देखते ही देखते ऊपरी मंजिलें भरभराकर गिर गईं, जिससे कई मजदूर मलबे में दब गए। बचावकर्मियों ने घायलों को निकालकर जिन्ना पोस्ट्ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर पहुंचाया। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, कुल 14 घायलों में से नौ को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मृतकों में नावेद नाम का एक मजदूर भी शामिल है, जो टाइल लगाने का काम करता था। मलबे से निकाले गए मजदूर अहमद ने बताया कि वह पांचवीं मंजिल पर काम कर रहा था तभी इमारत गिरी और उसके कई साथी भी वहां मौजूद थे। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के वक्त इमारत में कोई परिवार नहीं रहता था, केवल निर्माण कार्य चल रहा था। सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी ने बताया कि 600 वर्ग गज के भूखंड पर भूतल के अलावा पांच मंजिलें बनाई जा रही थीं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह एक आवासीय भूखंड पर कथित तौर पर व्यावसायिक निर्माण था। पुलिस ने हत्या, लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर 10 लोगों को नामजद किया है, जिनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है। कराची के महापौर मुर्तजा वहाब ने घटनास्थल पहुंचकर बचाव अभियान का जायजा लिया और कहा कि फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

शेख हसीना बांग्लादेश कैसे लौटेंगी हवाई जहाज या लैंड बॉर्डर मार्ग से?

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना बांग्लादेश लौटने की तारीख का ऐलान कर चुकी हैं। बांग्लादेश की सरकार से शेख हसीना ने 16 दिसंबर को लौटने के लिए एयरक्राफ्ट की भी मांग की है। इस वापसी की राह में सबसे बड़ी अड़चन पासपोर्ट और कानूनी प्रक्रिया है क्योंकि शेख हसीना का बांग्लादेशी पासपोर्ट रद्द किया जा चुका है। हालांकि उन्होंने 9 नवंबर को अपने वकीलों के जरिए दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र की मांग की थी, लेकिन बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस मांग को स्वीकार करने के बजाय प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर जोर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में नए दौर की हिंसा के बीच शेख हसीना की तैयारी सिर्फ हवाई मार्ग से लौटने की ही नहीं बल्कि सड़क मार्ग से भी लौटने के विकल्प पर अवामी लीग के लोग काम कर रहे हैं। बता दें शेख हसीना के वतन लौटने की तैयारियों के बीच 22 नवंबर को ही अवामी लीग के चार नेताओं ने भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया और शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए संभावित रास्तों का जायजा लिया। आवामी लीग के नेताओं ने बंगाल के पेट्रापोल बॉर्डर के जरिए बांग्लादेश वापसी की संभावना तलाशा है। दरअसल बांग्लादेश सरकार की तरफ से अब तक नया पासपोर्ट न दिए जाने की वजह से अवामी लीग जमीन के रास्ते लौटने का भी विकल्प तलाश रही है।

पाक में सिंध बंटवारे पर हंगामा: मुनीर के खिलाफ प्रदर्शन, सिंधुदेश की मांग तेज



इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सिंध प्रांत को विभाजित कर नए प्रांत बनाने की योजना ने देश में बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। आर्मी चीफ आसिम मुनीर के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जहां सिंध को बांटने की कोशिशों को लेकर हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। गत रविवार को करांची में हजारों सिंधी राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने प्रस्तावित परिसीमन और सिंध को बांटने की योजना के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और पंजाब के प्रभुत्व वाले सैन्य प्रतिष्ठान पर सिंध की पहचान और क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इस दौरान अलग सिंधुदेश बनाने की मांग भी जोर पकड़ लिया है। प्रदर्शनकारियों ने पूरे पंजाब की आर्थिक नाकेबंदी की चेतावनी भी दी और राष्ट्रवादी नेताओं ने इस मुद्दे पर जनमत संग्रह के प्रस्ताव को भी सिरे से खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह बड़ा मार्च जेय सिंध रहबर कमेटी नामक चार सिंधी राष्ट्रवादी पार्टियों के गठबंधन के बैनर तले आयोजित किया था। ड्रिग रोड से शुरू होकर यह मार्च मेट्रोपोल पर समाप्त हुआ, जिसके चलते शहर की कई सड़कें अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। प्रदर्शन में वकीलों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। सिंधी राष्ट्रवादी संगठनों का आरोप है कि सैन्य प्रतिष्ठान सिंध की जमीन, संसाधनों और राजनीतिक अधिकारों पर अपना नियंत्रण बढ़ाना चाहता है। उन्होंने सिंध की लाखों एकड़ कृषि भूमि, तटीय द्वीपों और तेल, गैस और कोयले जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जे की कोशिश का दावा किया। रिपोर्ट के मुताबिक जेय सिंध मुत्तहिदा महाज ने पंजाब की आर्थिक नाकेबंदी का ऐलान कर दिया है। संगठन ने साफ कहा है कि सिंध के बंटवारे के खिलाफ उसका अभियान अब अलग सिंधुदेश की स्थापना के आंदोलन में बदल जाएगा। जर्मनी में स्थित संगठन के अध्यक्ष शफी मोहम्मद बुरफत ने सिंध की स्वतंत्रता को अपने आंदोलन का मूलभूत उद्देश्य बताया। पाकिस्तान में नए प्रांत बनाने की यह बहस तब शुरू हुई जब गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस्लामाबाद में छोटे प्रशासनिक प्रांत बनाने का प्रस्ताव रखा और इस पर जनमत संग्रह की बात कही। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने मौजूदा चार प्रांतों की संख्या बढ़ाकर 12 से 15 करने की संभावना जताई है, जबकि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 2026 के अंत तक जनमत संग्रह पर चर्चा को ठोस रूप लेने की बात कही है। इस प्रस्ताव का पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) कड़ा विरोध कर रही है। पार्टी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने चेतावनी दी है कि सिंध को बांटने की कोई भी कोशिश हिंसा और खूनखराबे को जन्म दे सकती है। पीपीपी को आशंका है कि सिंध का विभाजन, विशेषकर कराची को अलग करने से उसका राजनीतिक प्रभाव कमजोर होगा। वहीं, मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) नए प्रांत बनाने के प्रस्ताव का समर्थन कर रही है। सिंध के हैदराबाद, नवाबशाह, लरकाना और मेहर जैसे अन्य शहरों में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। अब 29 नवंबर को करांची में एक और बड़ा राष्ट्रवादी मार्च प्रस्तावित है।

अमेरिकी सेना ने नष्ट किया 'लेड एजाइड', पर्यावरण नियमों का रखा ध्यान

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन 'लेड एजाइड' के देशभर में मौजूद संपूर्ण भंडार को नियंत्रित विस्फोट के द्वारा नष्ट किया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि आयोवा में किए गए नियंत्रित विस्फोट के कारण आसपास के घरों और खेतों में जहरीली धूल नहीं फैली है। लेड एजाइड के पांच टन (4,500 किलोग्राम) भंडार वाले दो बंकर के चारों ओर मिट्टी की मोटी दीवारें बनाई गई थीं। साथ ही, उन पर पानी का छिड़काव किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, इन उपायों से विस्फोट के प्रभाव को काफी हद तक सीमित करने में मदद मिली। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) के वायु निगरानी उपकरणों में मिडलटाउन स्थित 'आयोवा आर्मी एम्युनिशन प्लांट' के आसपास हवा में सीसे की मौजूदगी दर्ज नहीं की गई। इसके बावजूद सरकारी एजेंसियां और स्वतंत्र शोधकर्ता आने वाले हफ्तों में जल स्रोतों, खेतों, घरों और खेल के मैदानों में सीसे की व्यापक जांच करने की योजना बना रहे हैं। सीसा एक ऐसा धातु है, जो विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

वैभव की उम्र पर पाकिस्तानी क्रिकेटर तनवीर ने सवाल उठाये





बोला 15 साल का बच्चा 28 छक्के नहीं लगा सकता

लाहौर। भारत के 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की जहां दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है वहीं एक पाकिस्तानी क्रिकेटर तनवीर अहमद ने इसपर सवाल उठाये हैं। इस पाक क्रिकेटर का कहना है कि इतनी कम उम्र में ऐसे शॉट नहीं लगाये जा सकते हैं। वैभव ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स में यूएई के खिलाफ तूफानी पारी खेलते हुए 52 गेंदों में ही दोहरा शतक लगा दिया था। अपनी इस पारी में वैभव ने 7 चौके और 28 छक्के लगा दिये थे। तनवीर एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने वैभव की उम्र को लेकर संदेह व्यक्त किया है। एक टीवी चैनल पर दिए अपने बयान में उन्होंने कहा, वो 15 साल का नहीं है, वो कम से कम 20-21 साल का है। साथ ही कहा कि कितनी भी प्रतिभा हो 15 साल का बच्चा 28 छक्के नहीं मार सकता। 15 साल के बच्चे की बेस इतनी स्ट्रांग नहीं हो सकती, उसकी बाजुओं में इतनी जान नहीं हो सकती। मैं नहीं मानता कि वो 15 साल का है। हो सकता है वो 20 या 21 साल का हो।गौरतलब है कि ये बयान ऐसे समय में आया है जब एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के बीच मुकाबला होने की प्रबल संभावना है। ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान ने भारत को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, जिससे दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच एक और बड़े मुकाबले की उम्मीदें बढ़ गई हैं। वैभव की इस धमाकेदार पारी ने भारत की जीत सुनिश्चित की और सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की की। वहीं माना जा रहा है कि इस पारी को देखकर पाक टीम दबाव में है।

तनवीर का यह बयान कई मायनों में बेतुका प्रतीत होता है। अगर वैभव वास्तव में 20 या 22 साल के भी होते, तब भी 53 गेंदों में 28 छक्कों के साथ दोहरा शतक लगाना एक असाधारण और दुर्लभ उपलब्धि होती। क्रिकेट इतिहास में ऐसे प्रदर्शन कम ही देखने को मिलते हैं, चाहे बल्लेबाज की उम्र कुछ भी क्यों न हो। वैभव के इस रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है और हर तरफ उनकी बल्लेबाजी की तारीफ हो रही है। ऐसे में एक पाक क्रिकेटर का सवाल उठाना दिखाता है कि वह इस भारतीय क्रिकेटर की सफलता को पचा नहीं पा रहा और बेवजह के आरोप लगा रहा है।

बीसीसीआई ने साझा की हेगली ओवल पिच की तस्वीरें

शुरुआत में तेज गेंदबाजों को होगा लाभ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर हेगली ओवल की पिच की तस्वीरें साझा की हैं। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें यहां शुक्रवार से दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगी। भारतीय समयानुसार यह मुकाबला शुक्रवार की सुबह 3 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। बीसीसीआई ने पिच की जो तस्वीरें जारी की हैं। उसमें हेगली ओवल की पिच पर लंबी घास दिख रही है। जो पारंपरिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए शुरुआती ओवरों में काफी सहायक होती है। वहीं मैदान के इतिहास को देखें तो यहां शुरुआत में तेज गेंदबाजों को जबरदस्त उछाल और स्विंग मिलती है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है और पिच पुरानी होती जाती है, यह बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल बनती जाती है। यही वजह है कि क्राइस्टचर्च में खेले गए टेस्ट मैचों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम का जीत प्रतिशत 56.25 रहा है, जो यह दिखाता है कि यहां बाद में बल्लेबाजी करना अक्सर फायदेमंद साबित होता है। मैदानी स्टाफ ने पुष्टि की है कि यह एक पारंपरिक हेगली ओवल पिच होगी, जैसी कि उम्मीद की जाती है। न्यूजीलैंड टीम के गेंदबाजी कोच जैकब ओरम ने भी वेलिंगटन की तुलना में यहां अधिक उछाल और मूवमेंट की संभावना जताई है। उनका मानना है कि मैच की शुरुआत में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन एक बार बल्लेबाज क्रीज पर जम जाए तो रन बनाना और खुलकर शॉट लगाना आसान हो जाता है। क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बेहद प्रभावी रहा है। यहां खेले गए कुल 15 टेस्ट मैचों में से सिर्फ 4 बार ही पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है, जबकि 9 मौकों पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम विजयी रही है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहली बार एफआईएच विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा जारी विश्व रैंकिंग में पहली बार भारतीय महिला हॉकी टीम को चौथा स्थान मिला है। ये भारतीय टीम की अब तक की सबसे बेहतर रैंकिंग है। भारतीय टीम को ये स्थान जापान के खिलाफ मिली 4-0 की जीत के बाद हासिल हुआ। भारतीय टीम के आगे आने से स्पेन पांचवें और जर्मनी छठे स्थान पर खिसक गयी है। यह भारतीय महिला हॉकी के लिए एक बड़ी उपलबब्धि है जिससे पता चलता है टीम लगातार बेहतर होती जा रही है। विश्व रैंकिंग में, ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड्स पहले स्थान पर बनी हुई है, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना दूसरे और बेल्जियम तीसरे स्थान पर हैं। अंकों के लिहाज से ये तीनों टीमें चौथे स्थान पर मौजूद भारत से काफी आगे हैं, जिससे शीर्ष-3 में प्रवेश के लिए टीम इंडिया को अभी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। यह वर्ष भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। इसी वर्ष टीम इंडिया ने एफआईएच नेशंस कप जैसा महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीता, विश्व कप में पांचवां स्थान हासिल किया, जो 1974 के बाद विश्व कप में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा, भारतीय महिला खिलाड़ियों ने 44 साल के लंबे इंतजार के बाद एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था। जहां विश्व स्तर पर भारतीय टीम की रैंकिंग बेहतर हो रही है। वहीं टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी अपने शानदार प्रदर्शन से छायी हुई है। भारतीय टीम अब तक इस इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सभी मैच जीती है। उसने अपने सभी पांच लीग मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है। भारतीय टीम अब शुक्रवार को मलेशिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उतरेगी।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में बार्सिलोना और लिले को मिली जीत, पीएसजी-रोमा का मुकाबला बराबरी पर रहा

बाकू। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने यहां हुए यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल मुकाबले में सबाह एफके को 4-1 से हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) का मुकाबला एएस रोमा के साथ 2-2 से बराबरी पर रहा। वहीं एक अन्य मुकाबले में लिले क्लब ने जर्मनी के बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। ये लिले की लीग चरण में पहली जीत थी। बार्सिलोना को एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल से लीग चरण में अपने पांचवें मुकबले में चौथी जीत मिली। बार्सिलोना ने इस मुकाबले में हाफ-टाइम के बाद लगातार दो गोल किये। गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर गॉर्डन ने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके तुरंत बाद, करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल जोड़ा, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ सबाह एफके के लिए एकमात्र गोल किया। अदेयेमी ने पांचवां गोल करने का मौका गंवाया जब पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकराया। इस जीत के साथ, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और वह राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर बढ़ गयी है। वहीं पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना जीत का सिलसिला बनाये रखा। यह दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला था। पहले हाफ में ही मारियो हर्मोसो ने एक गोल दागकर पांचवें मिनट में रोमा को शुरुआती बढ़त दिलायी। इसके बाद इल्या जबार्नी ने 31वें मिनट में पीएसजी के लिए बराबरी का गोल दागकर अपना पहला गोल किया। वहीं दूसरे हाफ में भी मुकाबला संघर्षपूर्ण रहा।



बोलोगना में डेविस कप टेनिस के [ार्टर फाइनल में खेलते हुए इटली और दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी।

अब डरबन सुपर जायंट्स के मुख्य कोच की भूमिका में दिखेंगे विलियमसन

डरबन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन खेल से संन्यास के बाद अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। विलियमसन को एसए टी20 लीग के लिए डरबन सुपर जायंट्स ने मुख्य कोच बनाया है। उन्होंने इसी साल जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। विलियमसन लांस क्लूजनर की जगह पर डरबन के कोच बनाये गये हैं। वह साल 2023 में लीग के उद्घाटन सत्र से ही टीम के साथ बने हुए थे। विलियमसन ने साल 2025 और 2026 के एसए20 सत्र में डरबन की ओर से खेला था। उन्होंने 15 मैचों की 13 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 34.30 की शानदार औसत और 119.51 के स्ट्राइक रेट से कुल 343 रन बनाए थे।एक खिलाड़ी के रूप में फ्रेंचाइजी और लीग में रहने का लाभ उन्हें कोच की भूमिका निभाने के दौरान मिलेगा। विलियमसन अपनी नई भूमिका में फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी के साथ मिलकर काम करेंगे, जिससे टीम के रणनीतिक और क्रिकेटिंग पहलुओं को मजबूत किया जा सके। उनके साथ सहयोगी स्टाफ रयान कुक (बल्लेबाजी कोच), भरत अरुण (तेज गेंदबाजी कोच), कार्ल क्रो (स्पिन गेंदबाजी कोच) और कुशेन किशन (फील्डिंग कोच) हैं। इस अनुभवी लोगों का लाभ विलियमसन को मिलेगा। गौरतलब है कि विलियमसन का खिलाड़ी के तौर पर करियर असाधारण रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में, उन्होंने अपनी कप्तानी और शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड को नई पहचान दिलाई। उन्होंने 110 टेस्ट मैचों में 9515 रन बनाए, जिसमें 33 शतक शामिल हैं। वहीं, 175 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम 7256 रन और 15 शतक दर्ज हैं। 93 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 2575 रन बनाए, जिसमें 18 अर्धशतक शामिल हैं।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

उत्पादों से नतीजों तक, ब्रांड्स के लिए बदल रहा है उपभोक्ता बाजार

सिंगापुर। मिंटेल के 2027 के वैश्विक अनुमान बताते हैं कि उपभोक्ता बाजार में ब्रांड ग्रोथ का तरीका बदल रहा है। अब सफलता सिर्फ नए उत्पाद लॉन्च करने पर नहीं, बल्कि कनेक्टेड सिस्टम के ज़रिए उपभोक्ताओं को उनके वांछित नतीजे (आउटकम) हासिल करने में मदद करने पर निर्भर करेगी। यह बदलाव कैटेगरी की पुरानी सीमाओं को धुंधला कर रहा है और प्रतिस्पर्धा का माहौल बदल रहा है। मिंटेल ट्रेंड्स की एक अ?धिकारी के अनुसार ब्रांड्स को अब यह सोचना बंद करना होगा कि कौन सा उत्पाद लॉन्च किया जाए और यह पूछना शुरू करना होगा कि उनका ब्रांड उपभोक्ताओं को भरोसेमंद तरीके से क्या परिणाम प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उपभोक्ता अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादों, सेवाओं और व्यवहारों के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक स्लीप ब्रांड अब सिर्फ़ दूसरे स्लीप उत्पादों से नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, न्यूट्रिशन या फ़िटनेस समाधानों से भी प्रतिस्पर्धा करेगा। यह बदलाव वेलनेस, फूड एंड ड्रिंक, ब्यूटी और घरेलू देखभाल जैसी बड़ी श्रेणियों को प्रभावित कर रहा है। वेलनेस में रिकमेंडेशन इंजन नए प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं, जबकि फूड ब्रांड्स को सप्लीमेंट्स और टेक्नोलॉजी से चुनौती मिल रही है। ब्यूटी में ग्राहक अब रूटीन के बड़े हिस्से के लिए सप्लीमेंट्स और डिवाइसेस पर खर्च कर रहे हैं, और घरेलू देखभाल में, घर के ऑटोमेटेड सिस्टम ब्रांड्स के लिए नई चुनौती पेश कर रहे हैं। ब्रांड्स को यह समझना होगा कि उपभोक्ता क्या हासिल करना चाहते हैं और उन कनेक्टेड सिस्टम में अपनी एक स्पष्ट व भरोसेमंद भूमिका कैसे निभाएं। भविष्य में, हम टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और रिटेल क्षेत्रों में नई साझेदारियां देखने की उम्मीद कर सकते हैं, जहाँ ब्रांड्स मिलकर उपभोक्ताओं के लिए बेहतर और एकीकृत समाधान पेश करेंगे।

भारतीय चीनी को मिला अमेरिकी बाजार, 8,606 टन निर्यात को हरी झंडी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमेरिकी बाजार में 8,606 टन कच्ची चीनी के निर्यात को मंजूरी दे दी है। यह निर्यात कोटा 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक की अवधि के लिए वैध होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा इस संबंध में जारी एक आदेश के अनुसार, यह निर्णय टैरिफ रेट कोटा (योजना के तहत लिया गया है, जो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ दिलाएगा। टीआरक्यू योजना के तहत एक निश्चित मात्रा तक के सामान पर आयात शुल्क या तो शून्य होता है या काफी कम दर पर लगाया जाता है। यह प्रावधान भारतीय चीनी को अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाएगा, खासकर ऐसे समय में जब कुछ राजनीतिक जानकारों के अनुसार अमेरिकी प्रशासन भारत सहित विभिन्न देशों पर फिर से आयात शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। इसके बावजूद, यह कदम भारतीय चीनी को अमेरिकी बाजार में मिठास घोलने का अवसर देगा। निर्धारित 8,606 टन की मात्रा मीट्रिक टन रॉ वैल्यू में तय की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय चीनी व्यापार में कच्ची चीनी के वजन मापने का एक मानक है। इस निर्यात के लिए मूल देश का प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) अनिवार्य होगा, जिसे मुंबई स्थित विदेश व्यापार महानिदेशालय का अतिरिक्त महानिदेशक जारी करेगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। एपेडा ही संबंधित कंपनियों और निर्यात की मात्रा की सिफारिश करेगा, जिसके आधार पर आवश्यक दस्तावेज जारी किए जाएंगे। जानकारों का मानना है कि सरकार का यह कदम भारतीय चीनी उद्योग के लिए अमेरिकी बाजार में नए अवसर खोलेगा और भारत व अमेरिका के बीच कृषि उत्पादों के व्यापारिक संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा।

भारत ने अमेरिका के अतिरिक्त उत्पादन क्षमता का आरोप खारिज किया



नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि भारतीय उद्योगों में जरूरत से ज्यादा उत्पादन क्षमता है। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया कि भारत के किसी भी सेक्टर में ऐसी स्थिति नहीं है और व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार समझौते की बातचीत के जरिए होना चाहिए। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने के प्रस्ताव के जवाब में आया है। अमेरिका का आरोप है कि भारत में जरूरत से ज्यादा औद्योगिक उत्पादन क्षमता है। हालांकि, अमेरिका ने यह भी कहा है कि यदि नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच व्यापार समझौता हो जाता है, तो टैरिफ की यह दर घटाकर 17 फीसदी की जा सकती है। भारत सरकार अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की ओर से जारी नोटिस की समीक्षा कर रही है। अमेरिका ने धारा 301 के तहत भारत सहित 14 अर्थव्यवस्थाओं की मैन्युफैक्चरिंग नीतियों और जरूरत से ज्यादा उत्पादन क्षमता से जुड़े मामलों की जांच की है। भारत ने पूरी जांच प्रक्रिया में सकारात्मक तरीके से हिस्सा लिया है और जांच की शुरुआत से लेकर बाद की सुनवाई तक यह स्पष्ट किया है कि देश के किसी भी सेक्टर में संरचनात्मक रूप से जरूरत से ज्यादा उत्पादन क्षमता नहीं है। वाणिज्य विभाग ने दोहराया है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और भारत शुरू से ही इस बात पर कायम रहा है कि व्यापार से जुड़ी किसी भी चिंता का समाधान इसी बातचीत के तहत किया जाना चाहिए। भारत जल्द से जल्द व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। अमेरिका की जांच के शुरुआती निष्कर्षों से भारत पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को जल्द पूरा करने का दबाव बढ़ गया है। अगर भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाता है, तो जांच के दायरे में शामिल देशों और व्यापारिक समूहों में भारत पर दूसरी सबसे ऊंची टैरिफ दर होगी, जिसमें वियतनाम पर सबसे ज्यादा 35 फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। हालांकि, अगर व्यापार समझौते के बाद भारत पर टैरिफ घटाकर 17 फीसदी कर दिया जाता है, तो भारतीय निर्यातकों को कई एशियाई देशों के मुकाबले थोड़ा फायदा मिल सकता है, जो उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। व्यापार समझौते की स्थिति में, भारत के लिए प्रस्तावित टैरिफ 17 फीसदी, इंडोनेशिया के लिए 18 फीसदी, मलेशिया के लिए 18 फीसदी, कंबोडिया के लिए 18 फीसदी, थाईलैंड के लिए 18 फीसदी, वियतनाम के लिए 20 फीसदी और चीन के लिए 20 फीसदी हो सकता है। फिलहाल ये टैरिफ दरें प्रस्तावित हैं और इन्हें अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति पद छोड़ने को तैयार

दस साल बाद कमान छोड़ेंगे कृष्णमूर्ति, आपातकालीन टाउनहॉल बैठक बुलाई गई

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। करीब दस साल तक कंपनी की कमान संभालने वाले सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति अगले कुछ हफ्तों में अपना पद छोड़ने की तैयारी में हैं। सूत्रों के अनुसार इस महत्वपूर्ण बदलाव पर चर्चा के लिए आज दोपहर एक आपातकालीन टाउनहॉल मीटिंग बुलाई गई है, जिससे स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। कृष्णमूर्ति ने 2017 में सीईओ का पद संभाला था और संस्थापकों के जाने के बाद पिछले एक दशक में उन्होंने फ्लिपकार्ट को स्थिरता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारतीय ई-कॉमर्स बाजार में अमेज़न और मीशो जैसे प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया, साथ ही फ्लिपकार्ट मिनट्स जैसी क्विक कॉमर्स सेवाओं और जेन-जेड ग्राहकों के लिए नए उत्पाद क्षेत्रों में विस्तार किया। हालांकि, उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब फ्लिपकार्ट आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है, जिनमें कंपनी के आईपीओ में देरी, फंड जुटाने की कोशिशें और वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार कंपनी छोड़ना शामिल है। आईपीओ में देरी से कर्मचारियों के ईएसओपी लाभों को लेकर भी असंतोष बढ़ा है। जानकारों के मुताबिक, पिछले एक साल में कम से कम 14 उपाध्यक्ष और वरिष्ठ उपाध्यक्ष फ्लिपकार्ट छोड़ चुके हैं, जो कंपनी के मनोबल पर असर डाल रहा है।

केरल में यूडीएफ ने नई आबकारी नीति हेतु उपसमिति बनाई

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य की नई आबकारी नीति पर चर्चा और सिफारिशें देने के लिए एक उपसमिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार पूर्व विधायक के. शिवदासन नायर इसके संयोजक होंगे। समिति में पीजे जॉय, जॉय अब्राहम, विधायक के जयंथ, विष्णु मोहन, वक्कनाड राधाकृष्णन और सीए अजीर सदस्य हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की आबकारी नीति को बदलकर नई नीति लाना चाहती है।

दिल्ली में डिपॉजिट रिटर्न स्कीम, खाली पैकेजिंग लौटाओ, पैसे पाओ

नई दिल्ली। दिल्ली में कचरे की बढ़ती समस्या से निपटने और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार एक नई योजना पर विचार कर रही है। डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) नामक इस योजना के तहत प्लास्टिक की बोतलें, गुटखा और खैनी के पैकेट खरीदने पर ग्राहकों को थोड़ी अतिरिक्त राशि बतौर सिक्योरिटी डिपॉजिट देनी होगी। यदि ग्राहक इस्तेमाल के बाद खाली पैकेट या बोतल तय कलेक्शन सेंटर पर वापस करता है, तो यह रकम उसे लौटा दी जाएगी। दिल्ली सरकार का पर्यावरण विभाग इस प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ चर्चा कर चुका है और हिमाचल प्रदेश, गोवा व उत्तराखंड जैसे राज्यों में चल रही ऐसी ही योजनाओं का अध्ययन कर रहा है। सरकार का मानना है कि इस योजना से लोग कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय जमा करने में रुचि दिखाएंगे, जिससे सड़कों, नालियों और खुले स्थानों पर फेंकी जाने वाली खाली बोतलों और तंबाकू के पैकेटों की समस्या कम होगी। यह पहल कचरे के बेहतर संग्रह और रीसाइक्लिंग में भी मदद करेगी, जिससे पर्यावरण को होने वाला नुकसान कम होगा। पर्यावरण विभाग को एक महीने के भीतर इस योजना का विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।



गोवा के पणजी में 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान कला अकादमी में आयोजित लता मंगेशकर टॉक रेट्रोस्पेक्टिव सत्र में पार्श्व गायिका के.एस. चित्रा अभिनेत्री एवं फिल्म निर्माता सुहासिनी मणिरत्नम के साथ बातचीत करती हुईं।

ओला-उबर पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर सरकार सख्त, जुर्माना और जांच जारी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कैब कंपनियों पर सरकार ने आखिरकार शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ग्राहकों को भ्रमित कर या धोखा देकर अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने को मजबूर करने वाले डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सख्त चेतावनी जारी की है। इसी कड़ी में ओला को बुकिंग कंफर्म होने से पहले टिप मांगने के लिए 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना चुकाना पड़ा है। यह जुर्माना ओला द्वारा बुकिंग से पहले ग्राहकों से टिप मांगने पर लगाया गया, जिसमें दावा था कि इससे जल्दी कैब मिलेगी। कंपनी के डेटा ने ही इस दावे को गलत साबित किया, जहां टिप वाली बुकिंग की पुष्टि दर, टिप रहित बुकिंग से कम थी। 10-40 रुपये से शुरू होकर टिप का विकल्प बाद में 499 रुपये तक पहुंच गया था। रैपिडो पर भी इसी तरह के प्रॉम्प्ट के लिए जुर्माना लगा है, और उबर तथा नम्मा यात्री के खिलाफ भी जांच जारी है। यह डार्क पैटर्न ग्राहकों को धोखा देकर उनकी मर्जी के खिलाफ फैसले लेने को मजबूर करता है। ग्राहकों को एयरपोर्ट पर मनमाना किराया, पीक आवर में 40-50 फीसदी तक की बढ़ोतरी और महंगी प्रीमियम कैब को प्राथमिकता देने जैसी शिकायतों का भी सामना करना पड़ रहा है। ड्राइवरों की स्थिति भी दयनीय है, जिनकी कमाई कम और खर्च ज्यादा हैं। दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में ड्राइवरों ने न्यूनतम किराए में बढ़ोतरी (एसी= 30 रुपये/किमी, नॉन-एसी= 25 रुपये/किमी) और कंपनियों की मनमानी कटौती बंद करने की मांग को लेकर हड़तालें की हैं। सीसीपीए का यह कदम स्वागत योग्य है, पर कैब उद्योग में व्यापक सुधार के लिए और ठोस उपाय आवश्यक हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सामाजिक समरसता केवल भाषणों में नहीं,व्यवहार में भी दिखे : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संविधान दिवस पर युवाओं का किया आह्वान

जनजातीय नायकों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लें युवा



भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारत जैसे विविधता से परिपूर्ण देश में संविधान के मूल्यों को संसद और न्यायालयों की सीमाओं से आगे ले जाकर जन-जन तक पहुंचाना अत्यन्त आवश्यक है। युवाओं को संविधान के प्रति सम्मान और महत्व से परिचित कराना चाहिए। संविधान के मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में संविधान के प्रति जुड़ाव को और अधिक गहरा करने के विशेष और निरंतर प्रयास किए जाएं। ऐसे प्रयास राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करते हैं। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के नव निर्माण का आधार बनते हैं। राज्यपाल श्री पटेल गुरुवार को डॉ.बी.आर.अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महू के आठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। सभी को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री पटेल ने संविधान दिवस के अवसर पर संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने संविधान सभा के सभी सदस्यों का पुण्य स्मरण भी किया। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय की सार्थकता तभी सिद्ध होगी,जब समानता, स्वतंत्रता, बंधुता और सामाजिक न्याय के मूल्य हमारी शिक्षण पद्धति, शोध और दैनिक व्यवहार में दिखाई देंगे।

भोपाल। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने अपने संबोधन में भगवान बिरसा मुंडा और जनजातीय नायक टंट्या मामा भील के संघर्ष और योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में समाज और देश के लिए असाधारण योगदान दिया। टंट्या मामा ने भी अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अदम्य साहस और देशभक्ति का परिचय दिया। इन महान जननायकों का जीवन युवाओं को समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। युवाओं को सभी जननायकों के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों को शिक्षा और शोध से जोड़कर उनमें सामाजिक संवेदना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा समस्याओं के व्यावहारिक समाधान की क्षमता विकसित की जानी चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ रामदास आत्रेय ने स्वागत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. रचना ठाकुर ने किया। समारोह मे वि?वविद्यालय के प्रा?ापकगण, विद्या?र्थी और उनके परिजन उपस्थित थे।

सभी शासकीय सेवाओं के लिए मिलेगी एकल लॉगिन की सुविधा

नागरिकों के लिए ऑनलाइन सेवाओं पर भोपाल में होगी आज कार्यशाला



भोपाल। नागरिकों के लिए ऑनलाइन शासकीय सेवाओं का उपयोग आसान बनाने और शासकीय वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप तैयार करने वाले डेवलपर्स के कार्य को सरल करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) एवं केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'जनपरिचय-मेरी पहचान' (राष्ट्रीय एकल साइन-ऑन-एनएसएसओ) प्लेटफॉर्म पर 27 नवंबर को भोपाल स्थित नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जनसंपर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया कि कार्यशाला में एनआईसी एवं मंत्रालय के विशेषज्ञों द्वारा लाइव डेमो और व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से विभागीय टीमों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न विभागों के पोर्टल एवं मोबाइल ऐप को जनपरिचय प्लेटफॉर्म से एकीकृत करना है, जिससे नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और आधुनिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध हो सकें। कार्यशाला में वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय आईटी टीमें और एप्लीकेशन डेवलपर्स शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागीय पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के जनपरिचय प्लेटफॉर्म से एकीकृत होने पर लगभग 8 करोड़ नागरिकों को 'एक नागरिक, एक लॉगिन' की सुविधा मिलेगी। इससे नागरिकों को प्रत्येक शासकीय वेबसाइट या ऐप पर अलग-अलग पंजीयन कराने और अनेक पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिक एक ही लॉगिन के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार के एकीकृत पोर्टल एवं ऐप का उपयोग कर सकेंगे। इससे शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं तक त्वरित,सुरक्षित और निर्बाध पहुंच आसान होगी।

राजधानी के भारत भवन में 30 नवंबर से तीन दिवसीय 'जश्ने उर्दू'

भोपाल। उर्दू भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति की समृद्ध परंपरा को समर्पित तीन दिवसीय उत्सव 'जश्ने उर्दू' का आयोजन 30 नवंबर से 2 दिसंबर 2026 तक भारत भवन,भोपाल में किया जाएगा। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस उत्सव में देशभर के साहित्यकार, शायर और कलाकार शामिल होंगे। आयोजन की जानकारी देते हुए उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस वर्ष जश्ने उर्दू का केंद्रीय विचार उर्दू को भारतीय संस्कृति की परंपरा, दर्शन, संवेदनशीलता और रचनात्मकता के सशक्त आख्यान के रूप में प्रस्तुत करना है। आयोजन के माध्यम से लोक अदब,लोक जीवन,भारतीय दर्शन, आध्यात्मिक चेतना और मानवीय संवेदनाओं में उर्दू के योगदान को सामने लाया जाएगा। उत्सव में राही मासूम रज़ा के साहित्यिक अवदान और महाभारत के लिए उनके लिखे संवादों पर विशेष सत्र एवं मंचन होगा। साहित्यिक परिचर्चाओं में उर्दू साहित्य और लोक जीवन, समकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों तथा भारतीय दर्शन में ग़ालिब और मीर के योगदान पर विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में शिंजिनी कुलकर्णी की सूफियाना एवं लोक नृत्य प्रस्तुति और विश्वविख्यात क़व्वाल कुतुबी ब्रदर्स की क़व्वाली विशेष आकर्षण होगी।

फर्जी आईएएस बनकर ठगी करने वाले आरोपी को जेल भेजा

भोपाल। राजधानी भोपाल की गांधी नगर पुलिस ने खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले रामानुज उर्फ रामप्रसाद गुर्जर (40) को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपितकरीब 14 वर्षों से फर्जी अधिकारी बनकर ठगी कर रहा था। अब तक वह अलग-अलग लोगों से करीब 42 लाख रुपये ऐंठ चुका है। पुलिस के मुताबिक, एरोसिटी रोड स्थित एमजी रुसिया नगर निवासी आरोपी के खिलाफ अगस्त में रामनारायण गुर्जर ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने कलेक्टर कार्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों से करीबी संबंध होने का झांसा देकर आर्म्स लाइसेंस बनवाने के नाम पर सात लाख रुपये लिए थे। इसमें चार लाख रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए,जबकि तीन लाख रुपये नकद दिए गए थे। गांधी नगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कलेक्टर कार्यालय सहित विभिन्न सरकारी कार्यालयों की कई सील बरामद की हैं। उसके पास से भाजपा का सदस्यता कार्ड भी मिला है। पुलिस कार्ड की प्रामाणिकता और उसे जारी किए जाने की प्रक्रिया की जांच कर रही है।

कुपोषण की घटनाएं छोड़ इवेंटबाजी में जुटी है सरकार : कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में अब अंचलवार पारंपरिक व्यंजन शामिल किए जाएंगे। नई व्यवस्था के तहत सप्ताह में कम से कम एक दिन स्थानीय खान-पान परंपरा के अनुसार भोजन परोसना अनिवार्य होगा। इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों का मेन्यू निर्धारित किया गया है। सरकार के इस फैसले पर अब राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। भाजपा जहां इसे बच्चों के पोषण और पारंपरिक खान-पान को बढ़ावा देने की पहल बता रही है, वहीं कांग्रेस ने इसे इवेंटबाजी करार देते हुए सरकार पर निशाना साधा है। पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की नई गाइडलाइन और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के फैसले के तहत बच्चों की थाली में क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ पौष्टिक खाद्य सामग्री भी शामिल की जाएगी। मुनगा (सहजन) की पत्तियों से तैयार रोटी के अलावा बाजरा, चुकंदर और बथुआ जैसे खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाएगा। सप्ताह में कम से कम एक दिन हरी और गुलाबी चपाती सहित पारंपरिक भोजन देने का प्रावधान किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने नए मेन्यू पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे नौटंकी बताया।

दिग्विजय सिंह की सनातन यात्रा पूरी तरह से राजनीतिक है : उमा भारती

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चुनावी टिकट को लेकर दो टूक बयान दिया



भोपाल। भाजपा की वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चुनावी टिकट को लेकर दो टूक बयान दिया है। ग्वालियर में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें टिकट देने की किसी की हैसियत नहीं है। चुनाव लड़ना है या नहीं, इसका निर्णय वह खुद करती हैं। उमा भारती कल देर शाम वंदे भारत एक्सप्रेस से भोपाल जाने के लिए ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंची थीं। इस दौरान मीडिया और समर्थकों से बातचीत में उनसे आगामी चुनाव और टिकट को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में जवाब में उन्होंने कहा कि मैं खुद तय करती हूं कि मुझे चुनाव लड़ना है या नहीं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने यूपी गठबंधन से लेकर सोनिया गांधी की किताब में किए गए दावे, शराबबंदी, दिग्विजय सिंह की सनातन यात्रा और लोकसभा चुनाव तक, हर सवाल का खुलकर जवाब दिया। उमा भारती ने उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने दावा किया कि यदि उत्तर प्रदेश के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एक बार फिर जीत दर्ज कर लेती है, तो अगले 20 साल तक राज्य से बाकी सभी राजनीतिक दलों का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। दिग्विजय सिंह की सनातन यात्रा पर उमा भारती ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा दादा भाई और भाभी जी ने दिल से की थी, उसमें कोई राजनीति नहीं थी। लेकिन ये यात्रा राजनीतिक है, क्योंकि जो लोग राम मंदिर के शिलान्यास और निर्माण में नहीं गए,अब यात्रा निकाल रहे हैं। इसका राम से कोई संबंध नहीं है। शराबबंदी से जुड़े संवेदनशील मुद्दे पर उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की नीति की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के नेतृत्व वाली सरकार ने शराब को लेकर प्रभावी और अच्छी नीति बनाई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नीति के प्रत्येक बिंदु पर उन्होंने स्वयं अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के मामले में जमीनी स्तर के सरपंच से लेकर विधायक और सांसद तक किसी भी जनप्रतिनिधि ने अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ पूरा नहीं किया। उमा भारती ने सुरक्षा व्यवस्था की सीमाओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन हर स्थान पर चौबीसों घंटे निगरानी नहीं रख सकता। पुलिस का हस्तक्षेप केवल उसी परिस्थिति में होता है, जब कहीं कानून-व्यवस्था के बिगड़ने की आशंका अथवा स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शराबबंदी की नीति को राज्य में वास्तव में असरदार और सफल बनाने के लिए सतत निगरानी की आवश्यकता है। यह निगरानी तथा जवाबदेही केवल जनप्रतिनिधियों को ही पूरी निष्ठा के साथ निभानी होगी, तभी इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ सकेंगे।

भोपाल में आज से सजेगा विश्वरंग-2026, प्रवासी साहित्यकार होंगे शामिल

सात वरिष्ठ साहित्यकारों और भाषाविदों को मिलेगा विश्वरंग भाषा सम्मान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 27 से 29 नवंबर तक विश्वरंग का आठवां संस्करण आयोजित किया जाएगा। इस बार आयोजन की थीम 'प्रवासी उत्सव' रखी गई है। इसमें 21 देशों के प्रवासी साहित्यकार, शिक्षाविद, भाषाविद और संस्कृतिकर्मी जुटेंगे। तीन दिन तक हिंदी की वैश्विक पहचान, प्रवासी भारतीयों की नई पीढ़ी, भाषा-संस्कृति,साहित्य,अनुवाद और डिजिटल दौर में हिंदी की भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। आयोजन के विभिन्न कार्यक्रम रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर और रवीन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में होंगे। उत्सव का समापन 29 नवंबर को राजस्थान के 40 मांगणियार कलाकारों की चर्चित सांगीतिक प्रस्तुति 'द मांगणियार सेडक्शन' के साथ होगा। गुरुवार को राजधानी भोपाल में आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वरंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने आयोजन की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि विश्वरंग भाषा,साहित्य और संस्कृति से जुड़े मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय संवाद का मंच बन चुका है। आठवें संस्करण में प्रवासी भारतीयों को केंद्र में रखते हुए कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इसमें विदेशों में हिंदी की स्थिति,नई पीढ़ी के बीच भाषा और सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने की चुनौतियों तथा भारतीय साहित्य के वैश्विक प्रसार पर चर्चा होगी। प्रेस वार्ता में विश्वरंग के सह-निदेशक डॉ.सिद्धार्थ चतुर्वेदी, डॉ.अदिति चतुर्वेदी वत्स, डॉ.जवाहर कर्नावट, विनय उपाध्याय और कुणाल सिंह मौजूद रहे। 27 नवंबर को उद्घाटन समारोह में हिंदी और भारतीय भाषाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में योगदान देने वाली सात हस्तियों को विश्वरंग भाषा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की मृदुल कीर्ति, डेनमार्क की अर्चना पैन्यूली और उज्बेकिस्तान की निलुफर खोद्जायेवा का चयन किया गया है। भारत से पुणे के दामोदर खड़से, केरल के वी.जी. गोपालकृष्णन और नई दिल्ली के अनिल जोशी को भी सम्मानित किया जाएगा। पहले दिन रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर में विश्वरंग का शुभारंभ होगा। इस दौरान सात हस्तियों को भाषा सम्मान देने के साथ अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम में बाबा साहेब अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की ।

विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता : राज्यमंत्री गौर

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा में 1.49 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन



भोपाल। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं का सतत विस्तार किया जा रहा है। कॉलोनियों की मूलभूत समस्याओं का त्वरित निराकरण और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता ने जिस अटूट विश्वास के साथ हमें दायित्व सौंपा है, उस पर खरा उतरते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए किया गया हर वादा पूरा करने हेतु हम निरंतर संकल्पित हैं। दरअसल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर गुरुवार को वार्ड 53 के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थी । राज्यमंत्री गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में 1 करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। बागसेवनिया, बागमुगालिया, जाटखेड़ी और दानिश नगर क्षेत्र में आयोजित इन कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने कहा कि कॉलोनियों में सड़क,नाली,पुलिया और अन्य जनसुविधाओं का विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है। जनसहयोग और जनभागीदारी से क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई प्राप्त हो रही है। स्वीकृत निर्माण कार्यों के अंतर्गत शंकराचार्य होम्स के समीप 25 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण, पार्थसारथी पार्क के पास 10 लाख रुपए की लागत से बाउंड्रीवॉल तथा संत आसाराम नगर फेज-1 स्थित श्री सिद्धेश्वर शिव शक्ति मंदिर के पास 5 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक का कार्य पूर्ण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बागमुगालिया बस स्टॉप के समीप 7 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुगमता होगी। क्षेत्रीय जलापूर्ति व निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए ढोलक बस्ती जाटखेड़ी, संजय नगर एवं आसाराम नगर में 40 लाख रुपए की लागत से नाली निर्माण एवं अन्य विकास कार्य प्रस्तावित हैं।

भोपाल-राजगढ़ और शाजापुर में शीतलहर का अलर्ट जारी

मध्यप्रदेश के 30 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे आया

भोपाल। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी दिखाई देने लगा है। प्रदेश में सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है और दमोह में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन की सबसे ठंडी रात रही। राजधानी भोपाल में भी पारा 8.2 डिग्री पर पहुंच गया है। गुरुवार को भोपाल, शाजापुर और राजगढ़ में शीतलहर चलने का अलर्ट है। प्रदेश के 30 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। बुधवार को भोपाल, शाजापुर और राजगढ़ में ठंडी हवाओं का असर रहा। वहीं आज गुरूवार को दिन में भी ठंड का अहसास हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को भी इन जिलों में सर्द हवाएं चल सकती हैं। इससे दिन के तापमान में भी गिरावट आने की संभावना है। विभाग ने लोगों को ठंड से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है। राजधानी भोपाल में इस सीजन का न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसे पिछले 10 वर्षों में नवंबर की तीसरी सबसे ठंडी रात बताया गया है। इससे पहले 17 नवंबर 2025 को तापमान 5.2 डिग्री और 29 नवंबर को 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, 2018 से 2023 के बीच नवंबर में न्यूनतम तापमान 10.2 से 13.8 डिग्री के बीच रहा। तेज ठंड का असर स्कूलों के समय पर भी पड़ा है। सुबह की पाली में संचालित होने वाले स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया गया है। जो स्कूल पहले सुबह 7.30 बजे शुरू होते थे,अब वे 8 बजे से लगेंगे। छोटे बच्चों को ठंड से राहत देने के लिए अधिकांश निजी स्कूलों ने समय में बदलाव किया है। प्रदेश के बड़े शहरों में भी रात का तापमान तेजी से नीचे आया है। बीती रात जबलपुर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री,इंदौर में 10.6,उज्जैन में 11 और ग्वालियर में 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा में पारा 9.2 डिग्री,रायसेन में 9.4,उमरिया में 10.3 और गुना में 10.8 डिग्री रहा। खजुराहो और छिंदवाड़ा में 11.2, श्योपुर में 11.4 तथा सीधी, बैतूल और सतना में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में एक बार फिर मध्य प्रदेश को कांस्य पुरस्कार

विकास और विरासत की थीम पर केंद्रित रहा दिल्ली में प्रदेश का मंडप



भोपाल। देश की राजधानी नई दिल्ली में 14 से 27 नवंबर तक आयोजित 45वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में एक बार फिर मध्य प्रदेश को कांस्य पुरस्कार प्राप्त हुआ है। भारत मंडपम में गुरुवार को भारतीय व्यापार एवं संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष जावेद अशरफ द्वारा मेले की थीम विकास और विरासत के लिए मध्य प्रदेश मंडप द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में कांस्य पदक प्रदान किया गया। राज्य शासन की ओर से मध्य प्रदेश मंडप के संचालक बी.एन तिवारी ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर उद्योग विभाग के संयुक्त संचालक समरथ मंडलोई सहित अन्य अधिकारी, मध्य प्रदेश के कलाकार, शिल्पकार आदि उपस्थित थे। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश बैन ने जानकारी देते हुए बताया कि 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2026 में मध्य प्रदेश मण्डप को मेले की थीम विकास और विरासत के अनुरूप आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मण्डप में विकास के सौपान के रूप में औद्योगिक क्षेत्र में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गयी विभिन्न नीतियों, उपलब्धियों को दर्शाया गया। जिनमें एम.एस.एम.ई. विकास पालिसी-2025, म.प्र. स्टार्टअप पालिसी एण्ड इम्पलीमेंटेशन स्कीम 2025,मध्य प्रदेश एलाटमेन्ट आफ इण्डस्ट्रियल लैण्ड एण्ड बिल्डिग एण्ड मैनेजमेन्ट रूल्स टू एम.एस.एम.ई.-2025 तथा मध्य प्रदेश में निवेश सम्बंधी जानकारी प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गई। इन नीतियों को भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा सर्वाधिक निवेश मित्र नीतियों के रूप में सराहा गया था। समृद्ध किसान,आत्म निर्भर महिलायें, शिक्षा एवं कौशल विकास,युवा सशक्तिकरण, सड़कें, मेट्रो और नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना,सूचना प्रौद्योगिकी और संरचना आदि को पैनल एवं चित्रावली के माध्यम से बखूबी दर्शाया गया है। जीआईमैप एवं ओ.डी.ओ.पी. मैप के द्वारा प्रदेश के उत्पादों की जानकारी प्रदर्शित की गई तथा इनमें से कुछ उत्पादों के विक्रय स्टाल भी लगाये गये। मण्डप में जरी जरदोजी एवं गौंड पेन्टिग का सजीव प्रदर्शन भी किया गया। मण्डप के प्रवेश द्वारों को महाकाल लोक का स्वरूप दिया गया। मुख्य प्रवेश द्वार को उज्जैन की वेध शाला, वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला तथा विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से सजाया गया, जिसने प्राचीन काल से उज्जैन नगर के काल गणना एवं खगोल विज्ञान के महत्वपूर्ण वैश्विक केन्द्र होने की ओर दर्शकों का ध्यान आकृष्ट किया।